सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 274 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 18 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

खेल पुरस्कार, मुख्यमंत्री ट्रॉफी और डाइट मनी के लिए आवेदन शुरू, 5 अगस्त तक आवेदन का मौका

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए राज्य स्तरीय खेल पुरस्कारों, सम्मानों, मुख्यमंत्री ट्रॉफी, प्रेरणा निधि, नगद पुरस्कार और डाइट मनी (खेलवृत्ति) के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र खिलाड़ी, प्रशिक्षक और निर्णायक 5 अगस्त 2026 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन विभाग की वेबसाइट sportsyw.cg.gov.in पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं और आवेदन भी ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। विभाग की ओर से प्रतिवर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य खेल अलंकरण के तहत सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान सहित मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। पुरस्कारों के तहत शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार के लिए 3 लाख रुपये, शहीद कौशल यादव और वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 1.50-1.50 लाख रुपये, जबकि शहीद विनोद चौबे सम्मान और शहीद पंकज विक्रम सम्मान के लिए 25-25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। दलीय खेलों में मुख्यमंत्री ट्रॉफी के तहत सीनियर और जूनियर वर्ग की टीमों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर 1 लाख से 5 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की जाएगी।

27 जुलाई से रायपुर में शुरू होगी जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल की सुनवाई

रायपुर। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए रायपुर में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (तस्ज्ञज्ञ) की बेंच 27 जुलाई से नियमित सुनवाई शुरू करेगी। इससे प्रदेश के करदाताओं, टैक्स सलाहकारों, अधिवक्ताओं और विभागीय अधिकारियों को अपील संबंधी मामलों के लिए अब दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। प्रारंभिक चरण में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही नवा रायपुर स्थित वाणिज्यिक कर-जीएसटी भवन के नॉर्थ बी-ब्लॉक, सेक्टर-19 स्थित अस्थायी परिसर से संचालित की जाएगी। यहीं पर अपीलों की सुनवाई की जाएगी। जीएसटीएटी के अध्यक्ष की ओर से जारी आदेश के अनुसार, रायपुर बेंच में सोमवार से शुक्रवार तक विभिन्न श्रेणियों के मामलों की नियमित सुनवाई होगी।

रायपुर-बिलासपुर रूट की 8 ट्रेनें रद्द

रायपुर। भाटापारा-हथबंध के बीच तीसरी लाइन की इलेक्ट्रिफिकेशन के कारण पैसेंजर और मेमू ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि दो ट्रेनें बिलासपुर से ही चलेंगी और वहीं तक आएंगी। 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू 18 और 19 जुलाई को बिलासपुर से ही रवाना होगी। यानी गोंदिया से बिलासपुर के बीच यह ट्रेन रद्द रहेगी। 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू 18 और 19 जुलाई को बिलासपुर में ही समाप्त होगी। यानी बिलासपुर से गोंदिया के बीच इसका संचालन नहीं होगा।

विधानसभा में गिरा अविश्वास प्रस्ताव, सीएम साय बोले- यह प्रस्ताव छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ लोगों के विश्वास के खिलाफ

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर 14 घंटे से ज्यादा देर तक चली बहस, सीएम साय ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें और आखिरी दिन करीब 14 घंटे 30 मिनट चली चर्चा के बाद साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया। विधानसभा में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह प्रस्ताव सरकार के विरुद्ध नहीं, बल्कि प्रदेश की तीन करोड़ जनता के विश्वास और जनादेश के विरुद्ध है। सीएम साय ने कहा कि अगला विधानसभा चुनाव भी भाजपा जीतेगी और इस बार 70 से ज्यादा सीटें आएंगी, जबकि कांग्रेस अगले 25 साल तक सत्ता में नहीं लौटेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव तथा नगरीय निकाय चुनावों में जनता ने

विकास, सुशासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में राज्य सरकार ने जनता से किए गए अधिकांश वादों और मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियां स्वयं उसकी कार्यशैली और जनविश्वास का प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्षों के बकाया बोनस का भुगतान, महतारी वंदन योजना के माध्यम से लगभग 70 लाख महिलाओं को 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि तथा गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

10 लाख से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। महतारी वंदन योजना के साथ-साथ 10 लाख 40 हजार से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया गया है। महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को मजबूत करने के लिए रजिस्ट्री शुल्क में 50 प्रतिशत तथा स्टांप शुल्क में एक प्रतिशत की छूट दी गई है।

नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक सफलता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कानून व्यवस्था को मजबूत करने और नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा, विकास और जनविश्वास की रणनीति के माध्यम से प्रदेश में शांति का नया वातावरण बना है। रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई है तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए नए साइबर थानों की स्थापना की जा रही है।

ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में सरकार ने उत्पादन, पारेषण, वितरण और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 76 हजार से अधिक घरों में सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं तथा मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के माध्यम से 12 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को राहत दी गई है।

ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रशासनिक सुधार और ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सेवा सेतु के माध्यम से 36 विभागों की 528 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं। ई-डिस्ट्रिक्ट, ऑटो म्यूटेशन, मॉडल स्मार्ट रजिस्ट्री कार्यालय, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076' के माध्यम से आम नागरिकों तक शासकीय सेवाओं की समयबद्ध और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि 435 प्रशासनिक सुधार लागू कर छत्तीसगढ़ को सुशासन का मॉडल बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण, इको-टूरिज्म, वन संवर्धन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को समान महत्व दे रही है।

पत्नी व बच्चों को जहर देने के बाद फंदे पर झूला पति, बंद मकान में मिले पांचों के शव

■ टिकरापारा थाना क्षेत्र का मामला, आर्थिक तंगी बताई जा रही वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर (मदनी चौक) में बंद मकान से पांच शव बरामद किए गए हैं। मृतकों में पति-पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही टिकरापारा पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में सामने आया कि मकान में बैटरी कारोबारी सय्यद शाहिद उर्फ सज्जू ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ मकान में रहता था। आशंका जताई जा रही है कि सय्यद शाहिद ने पत्नी व बच्चों को जहर दे दिया और खुद भी फांसी के फंदे भी झूल गया। फिलहाल पुलिस ने मकान सील कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर में

शुक्रवार रात बैटरी कारोबारी सय्यद शाहिद उर्फ सज्जू अपनी पत्नी राबिया तथा पुत्र इरशाद अली, पुत्री शाहिदा बेगम व इरशाबा परवीन के साथ रह रहा था। यह परिवार पिछले आठ महीनों से यहां एक मकान में किराए पर रह रहा था। पड़ोसियों ने बताया कि गुरुवार शाम से घर का दरवाजा अंदर से बंद था। संदेह होने पर लोगों ने देखा तो घर पर शव पड़े हैं। इसके बाद लोगो ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में मृतकों के मुंह से झाग निकलता मिला है। कमरे से खाने-पीने का सामान और एक कीटनाशक का डिब्बा भी बरामद हुआ है। पुलिस ने देर रात तक घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए और इसके बाद मकान को सील कर दिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक, मृतकों में साजिद अली (50 वर्ष) का शव फंदे से लटका मिला है। वहीं उसकी पत्नी राबिया, पुत्र इरशाद अली (19 वर्ष), पुत्री शाहिदा (17 वर्ष) और इरशाबा बेगम (16 वर्ष) का शव एक कमरे में मिला। आशंका जताई जा रही है कि परिवार के मुखिया साजिद अली ने पहले सभी चार लोगों को जहर दे दिया और खुद फांसी लगाकर जान दे दी। आसपास के लोगों ने बताया साजिद अली मौदहापारा में बैटरी रिपेयरिंग का काम करता था। परिवार पर कुछ लोन था, जिसकी वसूली के लिए रिकवरी कर्मचारी अक्सर घर पर आया करते थे। ऐसे में आर्थिक तंगी के कारण पति-पत्नी में विवाद होते रहता था। वहीं इस मामले में टिकरापारा थाना प्रभारी राजेश मराई ने बताया कि एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले हैं। वे यहां पर किराए के मकान में रह रहे थे। पूरे परिवार ने एक साथ आत्महत्या क्यों की इसकी जांच की जा रही है।

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब, 450 किमी ऊपर कक्षा में पहुंचा

■ पीएम मोदी ने फोन पर बात कर बधाई दी

श्रीहरिकोटा। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने आज शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे की गई।

पहले यह लॉन्चिंग 11:30 बजे होनी थी, लेकिन लॉन्च से 5 मिनट पहले काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर के होल्ड का बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। इस रॉकेट को पूरी तरह से भारत में बनाया गया था। कंपनी ने 2022 में विक्रम-स्र सबऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 किमी की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-एक 450 km की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है।

इस लॉन्चिंग को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया है। इसके तहत विक्रम-1 रॉकेट अपने साथ टेक्नोलॉजी से लेकर कला से जुड़े पेलोड्स अंतरिक्ष में भेजे गए हैं। जिसमें ग्रह स्पेस का टेक्नोलॉजी पेलोड। कॉस्मोसर्व स्पेस का पेलोड। डीक्यूब्ड का स्पेस रिसर्च से जुड़ा पेलोड। खुद स्काईरूट एयरोस्पेस का अपना इन-हाउस स्कोप पेलोड।

18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भी स्पेस में भेजा गया

कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति कॉस्मिक ब्लूम और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया है। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सी वी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' शब्द अंकित हैं।

पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के तीन रेलवे स्टेशनों का किया वर्चुअल लोकार्पण

■ सीएम साय बोले- रेलवे के क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद और सरोना रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति सोशल मीडिया हैंडल एक्स में पोस्ट कर आभार जताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग से छत्तीसगढ़ में आधारभूत अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के

हर क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इन रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा, बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं और उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं मिलेगी।

व्यापार, पर्यटन, अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का विस्तार हो रहा है।

उधमपुर-दुर्ग सुपरफास्ट में तकनीकी खराबी, रात भर बंद रहे एसी-लाइट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उधमपुर से शनिवार सुबह दुर्ग पहुंची शहीद कैप्टन तुषार महाजन-दुर्ग सुपरफास्ट एक्सप्रेस में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को पूरी रात परेशानी झेलनी पड़ी। ट्रेन चलने के कुछ ही देर बाद कई कोचों की एसी और लाइट बंद हो गई।

इससे कोचों में गर्मी और उमस बढ़ गई। परेशान यात्रियों ने रास्ते में तीन बार चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई। रेलवे कर्मचारियों ने हर बार खराबी दूर करने की कोशिश की, लेकिन यात्रियों का कहना है कि लंबे समय तक स्थिति नहीं सुधरी। उसलापुर तक सफर करने वाले एक यात्री ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर शेयर किया है। वीडियो में कोच के अंदर अंधेरा, गर्मी से परेशान यात्री, खड़ी महिलाएं और तकनीकी खराबी ठीक करने में लगे रेलवे कर्मचारी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद यात्रियों की परेशानी चर्चा का विषय बन गई है। उसलापुर में एक यात्री ने वीडियो बनाकर वायरल कर अपना विरोध जताया।

बिलासपुर में भारी बारिश के बीच फूटा लोगों का गुस्सा, 150 से ज्यादा घरों में घुसा पानी

एनएच -49 पर चक्काजाम कर जताया विरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में लगातार हो रही रिमझिम बारिश के बीच शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों ग्रामीणों, महिलाओं और स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-49 (ह॥-49) पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात घंटों तक प्रभावित रहा।

लोगों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। तोरवा क्षेत्र के

धूमाधाम ग्राम पंचायत के लोगों ने बताया कि, पुल और ड्रेनेज निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण बारिश का पानी गांव में भर रहा है। इससे 150 से अधिक घर जलमग्न हो गए हैं और लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि, घरों में पानी भरने से घरेलू सामान खराब हो गया है। कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की नौबत आ गई है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने ह॥ढ्ढ के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी पर मनमानी तथा लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। बारिश के बीच सड़क पर उतरी महिलाओं ने भी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में चुनौतियां भी

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है।

> निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

एकजुटता और सद्भाव के प्रतीक थे तेजा सिंह समुंदरी

नीरा बुंरा

The Tribune.
LAHORE, SUNDAY, SEPTEMBER 3, 1922
Guru-ka-Affair.
OFFICIAL VERSION.
THE "GURU-KA-BAGH" AFFAIR.
"HEARTLESS" BEATING OF AKALIS
OR
"AN ENGLISH SCHOOL-BOY BEATING?"
PANDIT MALAVIYA ON THE SPOT.
A Prohibited Dewan.
No Insult offered to Guru Granth Sahib.
OFFICIAL STATEMENT ISSUED

THE TRIBUNE, FRIDAY SEPTEMBER 1 1922.
THE "GURU-KA-BAGH" AFFAIR.
IMPRESSIONS OF AN EYE-WITNESS.
MORE BEATING OF AKALIS.
A GRAVE SITUATION.
(From our Special Representative.)
Amritsar, Aug. 30.
GENESIS OF THE TROUBLE.

तेजा सिंह समुंदरी अकाली आंदोलन के साहसी और लोकप्रिय नेता थे। उनका स्वभाव 'मुसीबतों के बीच भी शांत और स्थिर' रहता था। प्रो. रुचि राम साहनी की डायरियों के मुताबिक, उन्होंने साल 1922-23 में गुरु-का-बाग़ मोर्चे का नेतृत्व करते हुए अहिंसा और एकजुटता को बढ़ावा दिया। उन्हें समाज के हर वर्ग से समर्थन मिला।

बहुत कम लोगों को ही सरदार तेजा सिंह समुंदरी जैसे महान राष्ट्रीय नेता का योगदान याद होगा। उनका निधन, 100 साल पहले, 17 जुलाई, 1926 को, 44 साल की उम्र में लाहौर किले में हुआ था। वहां उन्हें ब्रिटिश सरकार ने नाभा की राजगद्दी से हटाए गए महाराजा रिपुदमन सिंह को फिर से सत्तासीन करवाने को लेकर हुए आंदोलन में भाग लेने के कारण कैद कर रखा था। मुझे तेजा सिंह समुंदरी के बारे में पहली बार पता अपने परदादा, प्रोफेसर रुचि राम साहनी की अप्रकाशित डायरियों से चला।

बहुत कम उम्र में ही, प्रोफेसर साहनी ने 'हिस्ट्री ऑफ माई ओन टाइम्स' (मेरे वक्त का इतिहासनामा) तैयार करने का फैसला किया था। उन्हें उम्मीद थी कि 'वे उस रोमांचक दौर की झलक- वह धुंधली ही क्यों न हो, जिसमें उन्हें जीने का सौभाग्य मिला था, उसे संजोकर, अपने पाठकों के लिए शब्दों में पिरो सकेंगे'। इनमें से एक अंक अकाली आंदोलन पर था। रुचि राम साहनी का अकाली आंदोलन से परिचय 1922-23 में गुरु-का-बाग़ मोर्चे से हुआ। यह सिखों का एक अहिंसक आंदोलन था। जो इसलिए शुरू हुआ कि गुरु-का-बाग़ गुरुद्वारे के पूर्व महंत ने एक पुरानी परंपरा पर आपत्ति जताई थी, जिसके तहत गुरु-के-लंगर के लिए जलाऊ लकड़ी गुरुद्वारे की ज़मीन पर उगे कीकर के पेड़ों से ली जाती थी। अगस्त 1922 में, अंग्रेज़ों ने महंत का साथ दिया और बिना इजाज़त ज़मीन में घुसपैठ के आरोप में पांच सिखों को गिरफ़्तार कर लिया। इसके जवाब में, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हर दिन पांच सिखों को जलाऊ लकड़ी काटने के लिए भेजने का ऐलान किया। उन्हें रोज़ाना अंग्रेज़ों की मारपीट और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने अन्य भारतीयों से गुरु-का-बाग़ मोर्चे का चश्मदीद गवाह बनने की अपील की, जिसके बाद प्रेस ने इसमें काफी दिलचस्पी दिखाई। पंजाब प्रांत कांग्रेस कमेटी ने हालात का जायज़ा लेने के लिए रुचि राम साहनी और मियां फज़्ल दीन को भेजा। साहनी ने जो देखा, उससे वे बहुत प्रभावित हुए व लिखा : 'मैं स्वीकार करता हूं कि जब तक मैंने वह होते हुए अपनी आंखों से नहीं देख लिया, तब तक मुझे सिख शहीदों और उनके गुरुओं की उन गाथाओं पर पूरा यकीन नहीं था, जिनमें बताया जाता है कि उन्होंने न सिर्फ़ बिना डरे, बल्कि खुशी-खुशी और चेहरे पर मुस्कान के साथ अत्यंत क्रूरता का सामना किया क्योंकि उन्हें यकीन था कि अकाल पुरख उनसे ऐसी ही सेवा की उम्मीद करते हैं। मैं उस क्रूरता के बारे में अपनी आंखों देखी बताना चाहता हूं जो 'गुरु-का-बाग' में सैकड़ों लोगों ने रोज़ाना सही थीं। वे होंठों पर 'वाहे गुरु, वाहे गुरु जी' मंत्र जपते हुए ऐसे जुल्म से गुज़रे, जिसके बारे में मैंने अपने समय में किसी और समुदाय के लोगों के साथ होते हुए नहीं सुना।' साहनी 'द ट्रिब्यून' के ट्रस्टी भी थे और उन्होंने अखबार से उन्हें अपना विशेष प्रतिनिधि बनाने के लिए कहा ताकि वे 'गुरु-का-बाग' में हो रही घटनाओं की रिपोर्टिंग कर सकें। वे रोज़ जत्थों के साथ जाते और एसजीपीसी के साथ पर्दे के पीछे रहकर काम भी करते थे। उनकी दी खबरें 'द ट्रिब्यून' में छपीं और बाद में गंडा सिंह द्वारा संपादित किताब 'स्ट्रगल फॉर रिफॉर्म ऑफ़ सिख श्राइन्स' का आधार बनीं।

इस किताब में साहनी ने जत्थों का जीवंत वर्णन किया है : 'हर सुबह अकाल तख़्त के सामने 'गुरु-का-बाग' मोर्चे के लिए जत्थों की रवानगी से पहले का नज़ारा प्रेरक होता था। सूरज उगते ही, जत्थे के सदस्य 'अमृत सरोवर' में डुबकी लगाने के बाद वहां इकट्ठा होते।' 'अकाल तख़्त से प्रस्थान और पवित्र सरोवर की परिक्रमा से होकर, जुलूस के रूप में आगे बढ़ने से पहले, सिख धर्मग्रंथों से भजन गाते थे, कभी-कभी तो बहुत भावुक दृश्य देखने को मिलते। कई बार, पत्नियां, बहनें, माताएं, यहां तक कि बूढ़ी दादी-नानियां भी यह प्रेरक समारोह देखने और अपने प्रियजनों को आशीर्वाद देने दूर-दूर से आतीं। जो एक पवित्र मिशन पर जा रहे थे, लेकिन उन्हें यकीन था कि दिन के अंत में वे उन्हें अपना मकसद पूरा कर वापस आते हुए देखेंगी, शायद गंभीर घायल और नीम बेहोश।'

जत्थों का सामना बहुत ज़्यादा क्रूरता से हुआ। रुचि राम साहनी को भी कई बार लाठियां खानी पड़ीं। लेकिन अकाली अपनी राह से नहीं डिगे और गुरुद्वारे की ओर बढ़ते रहते। मोर्चे की कमान एसपीजीसी के पास थी, जिसके अध्यक्ष तेजा सिंह समुंदरी थे। हालांकि, वे साहनी से लगभग 20 साल छोटे थे, फिर भी साहनी उनकी बहुत इज़्ज़त करते थे : 'समुंदरी की चीज़ों को समझने की क्षमता विलक्षण और सटीक थी। वे किसी भी बात के ज़रूरी पहलू तुरंत समझ लेते और उन्हें गैरज़रूरी बातों से अलग कर देख सकते थे... गैरज़रूरी बातों पर लचीला रुख अपनाने को तैयार रहते, लेकिन जिन बातों को वे ज़रूरी और बुनियादी मानते, उन पर अडिग रहते। वे जन्मजात नेता थे; मैंने उन महान दिनों में देखा कि कैसे वे मुश्किल हालात को तुरंत भांप लेते और इतनी तेज़ी से फैसला लेते कि हम में से कई लोग हैरान रह जाते थे।'

'मेरे वक्त का इतिहासनामा' में समुंदरी के बारे में रुचि राम साहनी लिखते हैं, 'मेरे लिए पाठकों को प्रधान जी (सरदार समुंदरी) के शानदार व्यक्तित्व के बारे में शब्दों में बयां करना कठिन है-मुश्किलों के तूफ़ान, हर तरफ से लगातार आ रही मांगों और अक्सर अमृतसर और शिमला में बैठे सर्वशक्तिमान अधिकारियों के कामों-योजनाओं के बारे में परेशान करने वाली खबरों के बीच भी उनका शांत स्वभाव; सूझ-बूझ और मुश्किल स्थिति में भी हंसमुख अंदाज़-ऐसी बातें जो दूसरे नेताओं को हताश कर दें; यह सब और अन्य बहुत कुछ जो उनके व्यवहार में झलकता था, वह उनको देखने वाले हर किसी में उस व्यक्ति के प्रति अटूट भरोसा पैदा कर देता, जिसकी कमान में वे काम कर रहे थे। लंबे और पतली कद-काठी, बिना किसी दिखावे या शानदार लिबास के, एकाएक उन्हें देखकर कोई भी उन्हें मामूली आदमी समझ सकता था। तथापि, ज़रूरत पड़ती, तो भीड़ के बीच तनकर खड़े हो जाते और पूरे भरोसे से ऐसे आदेश देते कि उनकी कही पर बिना हील हुज्जत अमल हो।'

एक दिन, समुंदरी ने रुचि राम साहनी से कहा कि उन्होंने मोर्चा जीत लिया है। 'लेकिन भाई जी', साहनी ने कहा, 'मोर्चा तो अभी शुरू ही हुआ है। आप कैसे कह सकते हैं कि जीत लिया?' समुंदरी ने स्पष्ट किया : 'चूंकि अमृतसर के एसजीपीसी अस्पताल में काफी संख्या में घायल आंदोलनकारी आ रहे हैं, इसलिए कमेटी को तुरंत दरियों की ज़रूरत पड़ी। मैंने एक दुकानदार से खरीदारी की व बिल भेजने को कहा। अगले दिन, दरियां बिना किसी बिल के आ गईं, लोकल दुकानदारों ने पैसे लेने के बजाय दरियां दान कर दी थीं। मोर्चा 'जीत' लिया, क्योंकि इसने इलाके में ग़ैर-सिखों में भावनात्मक एकजुटता पैदा कर दी है'। आज, हम अक्सर अकाली आंदोलन को राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से अलग और सिर्फ़ सिख मुद्दों पर केंद्रित मानते हैं। लेकिन रुचि राम साहनी की बातों से पता चलता है कि ऐसा नहीं था, समाज के हर वर्ग से अकालियों को मिला समर्थन इसका सबूत है। असल में, खुद अकाली आंदोलन ही इसके गवाह हैं।

समुंदरी के लिए एकजुटता और सांप्रदायिक सद्भाव अहम आदर्श थे। अप्रैल, 1923 में, बैसाखी के करीब, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक दंगे हुए। शांति बहाली को अकाली जत्थों ने सड़कों पर गश्त की इसके लिए उन्हीं ब्रिटिश बलों ने उनकी तारीफ की, जिन्होंने बीते साल उन्हें जेल में डाला था! दंगे रुके, तो समुंदरी की अगुवाई में शिरोमणि कमेटी ने हिंदू और मुस्लिम समुदायों में दोस्ताना रिश्ते बहाल करने की पहल की। वे घर-घर जाकर शांति-सद्भाव की अपील करते। जबकि मौजूदा मुश्किल दौर में, 'सांप्रदायिक सद्भाव' का आदर्श ज़्यादा असरदार नहीं लगता, और न्याय के लिए होने वाले आंदोलनों को अक्सर 'आंदोलनजीवियों' की उपज कहकर खारिज कर दिया जाता है। तेजा सिंह समुंदरी शांति, अहिंसा और सामुदायिक भाईचारे के पक्षधर थे। दुर्भाग्य कि आज हमारे पास तेजा सिंह समुंदरी जैसे कद्दावर नेता नहीं जो हमें सच्चाई और सही रास्ते पर ले जा सकें।

कम उम्र में उनकी असमय मौत ने भारत को एक महान नेता से वंचित कर दिया। उन्हें याद करते हुए, हमें उन आदर्शों को भी याद रखना चाहिए जिन पर वे पहरा देते रहे : धर्मों और जातियों के बीच, और पुरुषों और महिलाओं के बीच बराबरी का।

लेखिका समाजशास्त्री और शौकिया इतिहासकार हैं।

'मैहर' राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत सूची में

राजेश गनोडवाले

किसी महामारी के कारण मैहर में अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया।

देश में मॉनसून छाने के कुछ पहले आई यह ख़बर मन शीतल करने वाली है। समाचार है कि अब विश्वविख्यात 'मैहर बैंड' भारत सरकार की 'राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची' में दर्ज हो गया है। यानी अब हम यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची से बस एक क़दम पीछे हैं। यह उपलब्धि केवल मैहर या विंध्य क्षेत्र की नहीं, पूरे मध्यप्रदेश और भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए उम्मीद लाई है। विस्तृत अर्थों में यह शास्त्रीय संगीत की उस सोच का सम्मान है, जिसमें दुर्लभता के प्रति नमन भाव बाहर आता है। नि:संदेह, इस बढ़त से भारतीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के देशीय प्रयासों में ऊर्जा आएगी, साथ ही उस दिशा को देखने वाले रास्ते भी चौड़े होंगे। उत्तर भारतीय रागदारी संगीत से जुड़ी यह ख़बर तब और सुखदाई है जब भारत की शास्त्रीय बिरादरी में दुर्लभता को लेकर एक प्रकार का ठण्डापन पसरा है। आज शहनाई, दिलरुबा, तार शहनाई, इसराज और सारंगी या पखावज के प्रति आयोजन-समाज के भीतर कितनी गर्मजोशी है, बताने की जरूरत नहीं।

जान लें, 'मैहर बैंड' भारतीय वाद्य यंत्रों का ऐसा समूह है, जिसमें कुछ वाद्य इस बैंड के साथ ही जन्में। अर्थात् उनका पहले कोई अस्तित्व नहीं था। इस आर्केस्ट्रा के जनक सरोद वादक बाबा अल्लाउद्दीन खां थे। अपनी कल्पनाशीलता से जब उन्होंने वाद्य यंत्रों के समूह के माध्यम से रागदारी बजाने, सुनवाने की परिकल्पना की तो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कुछ नवाचार भी जोड़ा। यही नवाचार दुर्लभ बन गया जब देश ने देखा कि लौह, पीतल के कुछ साधारण से पाइप भी सुर निकास में बराबरी का योगदान दे रहे हैं! मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर से जुड़ी इस अनूठी शास्त्रीय परम्परा की कड़ी प्रसिद्ध 'मैहर घराना' से संबंधित है। एक समय सिमटा-सा कस्बा मैहर बाबा अल्लाउद्दीन खां की कर्मभूमि था। उन्हीं बरसों में बाबा ने सन् 1918 में इसे साकार किया था। बैंड और मैहर शहर का गठजोड़ लेते दिया गया सुंदर परिचय 'मैहर बैंड' के अस्तित्व में आने की कहानी भी खासी मर्मस्पर्शी है। असल में किसी महामारी के कारण मैहर में एकाधिक अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने कुछ सोचते हुए उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया। राज दरबार के शासक राजकुमार ब्रजनाथ सिंह की हरी झंडी ने बाबा के इस रुझान को उठान दे दी, नतीजा पांचों वक्त के नमाज़ी और पहाड़ी पर विराजित मां शारदा के प्रतिदिन बिला नागा दर्शन करने जाने वाले बाबा का रचनात्मक मन सक्रिय हो उठा।

मैहर बैंड की सबसे बड़ी विशेषता 'नलतरंग' वाद्य है, जिसे बंदूक की नलियों को स्वरबद्ध कर बनाया गया था - इसे दुनिया का एकमात्र ऐसा शास्त्रीय वाद्य माना जाता है। सितार, सरोद, वायलिन, चेलो, तबला जैसे वाद्यों का समन्वय इसकी पहचान है। बता दें कि 'संगना' यानी संगीत नाटक अकादमी भारत में यूनेस्को की नोडल एजेंसी के रूप में काम करती है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन संगना ने ही मध्य प्रदेश की तीन विरासतों को इस महत्वपूर्ण दायरे में लिया है। प्रदेश पर्यटन मण्डल ने इसी वर्ष 8 जनवरी, सन् 2026 को मैहर बैंड के अलावा अगरिया लौह परंपरा' और निमाड़ के जनपदीय भोजन को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल कराने का प्रस्ताव अकादमी को भेजा था। अब इन तीनों विरासतों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल कराने के दावे को आधिकारिक रूप से बल मिला है। अब आगे क्या? तो इसी राष्ट्रीय सूची में से चयनित विरासतों का नामांकन प्रत्येक दो वर्ष में यूनेस्को भेजा जाता है। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, सचिव डॉ. इलैयाराजा टी. इसे 'पीढ़ियों से संजोकर रखी गई हमारी सांस्कृतिक प्रणालियों की बड़ी मान्यता' मानते हैं। संस्कृति मंत्री भी 'चिंता अब खत्म हुई' वाले मोड में होंगे, कारण सत्ता की पहल के बाद ही तो सुध ली गई है। दो राय नहीं कि भारत भवन बनने के बाद प्रदेश में संस्कृति के विस्तार की जो व्यापक दृष्टि तत्कालीन सचिव, अशोक वाजपेई ने दी थी यह उसी का एक विलंबित विस्तार है। नि:संदेह, बाबा के पौत्र और उनकी अगली पीढ़ियों के लिए भी अब 'अपने पूर्वज' के इन साक्षात् चिन्ह को संरक्षित करने की मंशा से मन में कोई कल्याणकारी स्वर बजा होगा।

लेखक कला समीक्षक हैं।

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

डॉ. स्वाति नायक

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेज़ी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की ज़रूरत है।

हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) - खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना - में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं।

हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट - 'विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग' - के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।

ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा 'फसल से घर तक: अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण' विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था।

भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज़्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज - चावल और गेहूं - के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज़्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें।

रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है - दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं।

इसके अलावा, विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे छोटे, सरल और स्मार्ट होते हैं और बाज़ार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे।

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रभाव 'ब्रिक्स देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैं' पर पड़ता है। कई देशों के साझा भंडार निर्मित करने के बजाय, जिन्हें बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल और लॉजिस्टिक्स के लिहाज़ से असंभव है, ब्रिक्स के लिए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय तालमेल प्रणाली का निर्माण बेहतर हो सकता है, जो डेटा आदान-प्रदान, समन्वित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सरकारी खरीद मानक नियम और भंडारण अवसंरचना को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भंडार के भविष्य को पोषण संबंधी विविधता से जोड़ा जाना चाहिए। मुख्य रूप से चावल और गेहूं पर आधारित भंडार छिपी हुई भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के बढ़ते ख़तरे का सामना नहीं कर पाएँगे। स्वस्थ/पोषक तत्वों से भरपूर चावल और गेहूं, जैसे जैविक पोषण वर्धित चावल/गेहूं, दालें, मोटे अनाज और पोषण वर्धित अनाज जैसी चीज़ों का एक विविध मिश्रण सुनिश्चित करने की ज़रूरत है। इससे ब्रिक्स देशों के लिए अपने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ना संभव होगा।

भंडारों की योजना बनाते समय जलवायु के हिसाब से सुदृढ़ता सुनिश्चित करना भी ज़रूरी है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू जैसी घटनाओं के बार-बार होने के कारण, यह सुनिश्चित करना ज़रूरी हो गया है कि इन आपदाओं का असर उत्पादन और भंडारण, दोनों प्रक्रियाओं पर एक साथ न पड़े। इस संदर्भ में, आधुनिक भंडारों के लिए सिर्फ पारंपरिक भंडारों में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कोल्ड चेन, अलग-अलग जगहों पर बनी भंडारण सुविधाओं, आई-ओ-टी सक्षम निगरानी प्रणालियों और नमी नियंत्रण प्रणालियों में भी निवेश करना जरूरी हो गया है।

दुनिया की खाद्य भंडारण नीति को बदलने में मदद करने के लिए ब्रिक्स देश सबसे अच्छी स्थिति में हैं। सामूहिक रूप से, वे दुनिया के अनाज उत्पादन, उर्वरक उपयोग, कृषि व्यापार और जोखिम में रहने वाले समुदायों के मामले में में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सही योजना के साथ, उनकी भंडारण सुविधाओं को केवल आपातकालीन व्यवस्था के स्थान पर सुरक्षित पोषण, मौसम में बदलाव का सामना करने और भू-राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाली प्रणाली में बदला जा सकता है।

भविष्य के खाद्य भंडार की सफलता केवल उनके भंडारण सुविधा में रखे अनाज की मात्रा पर निर्भर नहीं करेगी। इसके बजाय, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे संकट के समय समाज को स्थिर रखने में कितनी मदद कर सकते हैं, गरीब लोगों के लिए अच्छे पोषण के परिणाम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं, क्षेत्रीय खाद्य उत्पादन प्रणाली को कैसे मजबूत कर सकते हैं और कमजोर वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को किस प्रकार कम कर सकते हैं। इसलिए, ब्रिक्स देशों के लिए खाद्य भंडार का सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अधिक भोजन कैसे पैदा करें, बल्कि यह होना चाहिए कि स्मार्ट, पोषण-केंद्रित भंडार कैसे बनाए जाएं।

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

डीपीएस रिसाली में आयोजित की सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा डीपीएस रिसाली स्कूल के सहयोग से कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में दैनिक जीवन से जुड़े सुरक्षा विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उनमें सुरक्षित व्यवहार की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में कक्षा 10 की 11 सेक्शनों के कुल 306 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ए. एच. जुंजानी, हेड मिस्ट्रेस नीलम पांडे, कक्षा 10 के शिक्षक मनीष कुमार फाटक एवं सुमन कुमार त्रिपाठी के सहयोग से संपन्न हुआ। सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग की ओर से महाप्रबंधक पुष्पा एम्ब्रोस, सहायक महाप्रबंधक अजय टल्लू, उप प्रबंधक अरिजीत रॉय तथा सहायक प्रबंधक अखिल मिश्रा ने कार्यक्रम के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

एसएलआरएम सेंटर के एप्रोच रोड पर लगी स्ट्रीट लाइट आवागमन हुआ सुरक्षित

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिक सुविधाओं के विस्तार के तहत जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत कुरूद स्थित एसएलआरएम सेंटर के पास एप्रोच रोड पर स्ट्रीट लाइट स्थापित की गई है। इस कार्य से क्षेत्र में रात्रिकालीन आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित एवं सुगम हो गया है। एसएलआरएम सेंटर तक आने-जाने वाले कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों एवं वाहनों को अब अंधेरे की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। सड़क पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होने से दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी तथा आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा का वातावरण मजबूत होगा। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आवश्यकता वाले स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

20 जुलाई को आयोजित होगा राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 20 जुलाई 2026 को राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामयी कार्यक्रम दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जामगांव (एम) के प्रांगण में आयोजित होगा। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अतिथियों द्वारा शाला में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी बच्चों का आत्मीय स्वागत किया जाएगा।

इंदिरा मार्केट की सुधारेगी यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, पुलिस व व्यापारियों की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इंदिरा मार्केट की यातायात, पार्किंग एवं बाजार व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने कलेक्टोरेट सभागार में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। व्यापारियों द्वारा मुख्य प्रवेश द्वार पर अवैध पार्किंग एवं ठेले-पसरा के कारण ग्राहकों के आवागमन में हो रही समस्या से अवगत कराया गया। पार्किंग व्यवस्था, मछली मार्केट में लोडिंग-अनलोडिंग तथा बाजार प्रबंधन के संबंध में विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। पुलिस, जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से नियमित अभियान चलाकर अव्यवस्था फैलाने वाले वाहनों एवं अतिक्रमण के विरुद्ध सतत कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, व्यापारी संघ, पार्किंग ठेकेदार एवं अन्य संबंधित पक्षों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान व्यापारियों द्वारा मुख्य प्रवेश द्वार पर अवैध पार्किंग, ठेले एवं पसरा लगाए जाने के कारण ग्राहकों के दुकानों तक नहीं पहुंच पाने तथा व्यापार प्रभावित होने की समस्या रखी गई। साथ ही पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने एवं मछली मार्केट क्षेत्र में वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग को नियंत्रित एवं सुव्यवस्थित करने संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए गए।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा निर्णय लिया गया कि इंदिरा मार्केट क्षेत्र में सुचारू यातायात एवं व्यवस्थित बाजार संचालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा नियमित अभियान चलाया जाएगा। अवैध पार्किंग, यातायात बाधित करने वाले वाहनों तथा अनधिकृत रूप से लगाए गए ठेले-पसरा के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि आम नागरिकों एवं व्यापारियों को सुगम एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम, व्यापारी संघ, पार्किंग ठेकेदार एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा समन्वित रूप से सहभागिता करते हुए बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव एवं निर्णय लिए गए।

जिले के 29 शासकीय स्कूलों में जर्जर शौचालयों की जगह बनेंगे अत्याधुनिक नए बालिका शौचालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सुविधा और स्वच्छता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा एक बड़ी प्रशासनिक पहल की गई है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में स्थित ऐसे 29 शासकीय विद्यालयों को चिन्हित किया गया था, जहाँ पुराने शौचालय पूर्णतः जर्जर और अनुपयोगी हो चुके थे। इन स्थानों पर अब स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा अन्य संबद्ध मदों के समन्वय से नए एवं सर्वसुविधायुक्त बालिका शौचालयों के निर्माण की मंजूरी दे दी गई है।

1.26 करोड़ रूपए से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बी.के. दुबे द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस समेकित परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक शौचालय के निर्माण पर कुल 4.37 लाख रूपए की लागत आएगी। इस प्रकार सभी 29 स्कूलों के लिए कुल 1 करोड़ 26 लाख 73 हजार की तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई है। सभी निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। ब्लॉकवार स्वीकृत शालाओं में दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत कुल 05 स्कूलों में नए बालिका शौचालयों के निर्माण की स्वीकृति मिली है, जिसकी कुल लागत 21.85 लाख रूपए है। जिनमें शासकीय प्राथमिक शाला चंदखुरीभाटा, शासकीय उच्च प्राथमिक शाला ननकठी, शासकीय प्रोन्त प्राथमिक शाला थनौद, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरएमएसए बीरेझर और शासकीय हाई स्कूल गनियारी शामिल हैं। इसी प्रकार धमधा विकासखंड के अंतर्गत कुल 16 स्कूलों में नए निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसकी कुल लागत 69.92 लाख रूपए है। इस ब्लॉक के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला तुमाकला, शासकीय प्राथमिक शाला पेण्ड्रावन, शासकीय प्राथमिक शाला सहगांव, शासकीय प्राथमिक शाला सांकरा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एसएसए सांकरा, शासकीय प्राथमिक शाला बीरझापुर, शासकीय प्राथमिक शाला जटागर्रा, शासकीय प्राथमिक शाला दरगांव, शासकीय पूर्व माध्यमिक उन्नत माध्यमिक शाला माटरा, शासकीय हाई स्कूल सिलतरा, शासकीय प्राथमिक शाला मंदिर खिलोरा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एसएसए बिरेझर, शासकीय हाई स्कूल बीरेझर धमधा, शासकीय प्राथमिक शाला देवरीझाल, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरहापुर तथा शासकीय प्राथमिक शाला नरधा शामिल हैं। इसी क्रम में पाटन विकासखंड के अंतर्गत कुल 08 स्कूलों में नवीन शौचालयों की स्वीकृति दी गई है, जिसकी कुल लागत 34.96 रूपए लाख है।

इस ब्लॉक में शासकीय प्राथमिक शाला पण्डर, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोड़पेन्ड्री, शासकीय हाई स्कूल फेकारी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला करेला, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला असोगा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला औंधी, शासकीय प्राथमिक शाला पहंदा (अ) और शासकीय पूर्व माध्यमिक उन्नत माध्यमिक शाला पातोरा शामिल हैं। जिला प्रशासन की इस महत्वपूर्ण पहल से ग्रामीण अंचल की छात्राओं को शाला परिसर में ही एक स्वच्छ, सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे स्कूलों में स्वास्थ्य व स्वच्छता के मानकों में गुणात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

सेवा सेतु से विवाह प्रमाण पत्र में नाम संशोधन हुआ आसान

दुर्ग। सेवा सेतु केन्द्र नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करा रहा है। इसका लाभ नगर निगम भिलाई निवासी सुकेश सागर को भी मिला। सुकेश सागर के विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र में उनका नाम गलती से सुकेश डागर दर्ज हो गया था। नाम में इस त्रुटि के कारण उन्हें विभिन्न शासकीय एवं व्यक्तिगत कार्यों में लगातार असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। सीमित आय के साथ छोटा-मोटा रोजगार कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले सागर के लिए प्रमाण पत्र में नाम का संशोधन कराना अत्यंत आवश्यक था। उन्होंने 7 जुलाई 2026 को सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र में नाम संशोधन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद उसी दिन उनका संशोधित विवाह प्रमाण पत्र स्वीकृत कर जारी कर दिया गया। सेवा सेतु के माध्यम से पूरी प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही।

रथा यात्रा के दौरान एबीयूएस ने बांटा भोग, भक्तजनों की उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 जुलाई को रथ यात्रा के दौरान महाप्रसाद भोग वितरण प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी के नेतृत्व में किया गया। महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि प्रदेश भर के विभिन्न जिलों से सदस्यण सिविक सेंटर चौक भिलाई पहुंचे थे। जहां रथ का स्वागत कर भोग वितरण किया गया। समाज ने बकायदा पंडाल लगाकर करीब 6-7 हजार भक्तजनों को भोग वितरण। इसके अलावा हर आने जाने वालों के लिए भी पेयजल की व्यवस्था रखी गई थी। भोग का कार्यक्रम शाम 4 बजे से शुरु हुआ जो देर रात तक चला है, भक्तजनों की काफी भीड़ रही। एबीयूएस बीते कई सालों से भोग का वितरण करती आ रही है। आने वाले समय में इससे भी बेहतर व्यवस्था किया जाएगा। वितरण में कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, पुरन नायक, अजय कुमार लुहा, मोंटू हरपाल, विदुर तांडी, गोपाल सेठिया,अजय नायक, उमेश बाघ,सुमित सोना, ओम बाघ, प्रशांत सेठिया,राम भजन विभार,रीद्धि महानंद, सुभद्रा सेठिया, वर्षा चौहान, जगन्नाथ जाल, संगीता नायक, हस्तिनी महानंद,जयंती महानंद,मीना महानंद,हरिश नायक,शिव सागर,अनिल नायक,भुवनेश्वर महानंद,कैलाश बाग,अरुण साहू समेत आदि मौजूद थे।

ई-सेवाओं के संबंध में जिले के समस्त सेवा सेतु प्रबंधकों एवं ऑपरेटरों का प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशनुसार जिला मुख्यालय स्थित पीडब्ल्यूडी मीटिंग हॉल दुर्ग में सेवा पोर्टल में नवीन ई-सेवाओ के संबंध में जिले के समस्त सेवा सेतु प्रबंधकों एवं ऑपरेटरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। साथ ही प्रशिक्षण में नगरीय निकायो के अधिकारी कर्मचारी एवीएम खाद्य विभाग के राशन कार्ड प्रभारी द्वारा सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से प्रारंभ हुए नवीन राशन कार्ड की सेवाओ के संबंध में जानकारी प्रदाय किया गया। उद्देश्य सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न शासकीय सेवाओं की जानकारी एवं उनके समयबद्ध निराकरण की प्रक्रिया से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण के दौरान ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्रुति अग्रवाल एवं जिला समन्वयक ऋचा सिंह बघेल द्वारा सेवा सेतु पोर्टल पर संचालित विभिन्न सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने सेवा सेतु प्रबंधकों एवं ऑपरेटरों को जाति

प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, पात्रता एवं समयबद्ध निराकरण की जानकारी प्रदान की।

पोर्टल में उपलब्ध प्रमुख सेवाए जैसे ग्राम पंचायत की विभिन्न सेवाएं, विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र, सफाई व्यवस्था ,स्ट्रीट बल्ब लगाना ,भवन अनुज्ञा ,नल कनेक्शन, राजपत्रित गजट आर्डर नाम परिवर्तन, खाद्य विभाग की सेवाएं जैसे राशन कार्ड में नया सदस्य जोड़ना एवं सदस्य का नाम हटाना (विलोपन), एपीएल, बीपीएल रेशन्यू कार्ड, न्यू इंश्योरेंस ऑफ ट्रेड लाइसेंस, आईटीआई सीएलजी का स्थानांतरण प्रमाण पत्र ,पॉलिटेक्निक बसह की सेवाए आदि कुल 442 सेवाए सेतु पोर्टल पर उपलब्ध है। कुछ सेवाए अन्य विभाग से रि-डायरेक्ट किया गया है, कुछ सेवा पोर्टल के माध्यम से जारी किया जा रहा है। सभी विभागीय सेवाओं की ऑनलाइन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन की संपूर्ण जानकारी प्रशिक्षण के दौरान साझा की गई।

तहसीलदार दुर्ग क्षमा यदु ने सेवा सेतु प्रबंधकों एवं ऑपरेटरों को जाति निवासी जैसी राजस्व सेवाओ में दस्तावेजों के संबंध में जानकारी दी। एवीएम सभी को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों में केवल स्पष्ट एवं प्रमाणित दस्तावेज ही अपलोड किए जाएं, जिससे प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु केंद्र शासन की सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, सुगम एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचाने का प्रभावी माध्यम हैं। प्रशिक्षण में कुल 225 सेवा सेतु प्रबंधकों एवं ऑपरेटरों उपस्थित हुए जिन्होंने विभिन्न सेवाओं से संबंधित प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक जानकारी हासिल की।

इंदिरा मार्केट की यातायात एवं व्यापारिक व्यवस्था सुधारने प्रशासन का संयुक्त निरीक्षण

प्रवेश द्वारों से हटेगा अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग व ठेलों पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र इंदिरा मार्केट की यातायात एवं व्यापारिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आज व्यापारी संघ के पदाधिकारी कलेक्टर अभिजीत सिंह से मुलाकात करने कलेक्ट्रेट पहुंचे परन्तु कलेक्टर के भ्रमण पर रहने से मुलाकात नहीं होने के कारण व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर (एडीएम) वीरेंद्र सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया तथा एडीएम के निर्देश पर आज डिप्टी कलेक्टर प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, नगर निगम अधिकारी/कर्मचारी सहित ट्रैफिक पुलिस, व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाजार की वर्तमान व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए व्यापारियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी गईं।

व्यापारियों ने बताया कि इंदिरा मार्केट के विभिन्न

प्रवेश द्वारों पर अघोषित रूप से वाहन, ठेले एवं अन्य सामग्री खड़ी रहने से ग्राहकों एवं आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित होती है। बाजार में आने-जाने में असुविधा होने के कारण व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। व्यापारियों ने मांग की कि सभी प्रवेश मार्गों को बाधा मुक्त रखा जाए तथा अव्यवस्थित रूप से व्यवसाय कर रहे ठेलों एवं अनलोडिंग के बाद लंबे समय तक खड़े रहने वाले वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाजार की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान सहमति बनी कि इंदिरा मार्केट के सभी प्रवेश द्वारों को सुगम एवं व्यवस्थित रखा जाएगा। अनलोडिंग कार्य पूर्ण होने के बाद अनावश्यक रूप से खड़े रहने वाले वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही व्यापारियों से भी अपील की गई कि वे अपने निजी वाहनों को दुकान के सामने खड़ा करने के बजाय निर्धारित पार्किंग स्थल में ही रखें, ताकि बाजार में यातायात सुचारु बना रहे। डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार क्षेत्र में नियमित निगरानी रखी जाए तथा यातायात और व्यापारिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और व्यापारियों के आपसी समन्वय से इंदिरा मार्केट को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाएगा, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी सुविधा मिल सके।

निरीक्षण के दौरान व्यापारी संघ के पदाधिकारी, कोतवाली थाना प्रभारी, ट्रैफिक पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

दिव्यांग बच्चों के लिए यूडीआईडी अभियान को मिली गति, शिविरों से बढ़ी सुविधा

रायपुर। प्रदेश में दिव्यांगजनों को समयबद्ध और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित यूडीआईडी (न्दपुनम क्पेंइपसपजल प्ब) अभियान के तहत जिलों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कर उन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले में कलेक्टर के निर्देशन में जिला अस्पताल में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष यूडीआईडी शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 115 बच्चों का पंजीयन किया गया। शिविर का उद्देश्य प्रत्येक पात्र बच्चे की दिव्यांगता का गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी परीक्षण कर उन्हें समय पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना है, ताकि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। समाज कल्याण के अधिकारियो ने बताया कि सभी पात्र बच्चों का निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षण कर पंजीयन किया जा रहा है।

जैव विविधता अनुसंधान में नई तकनीकों से परिचित हुए स्नातकोत्तर विद्यार्थी

रायपुर। जैव विविधता अनुसंधान में नई तकनीकों से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को परिचित कराया जा रहा है, ताकि वे पारिस्थितिकी संरक्षण और प्रजातियों की पहचान में आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर सकें। छात्र ग्लोबल जैव विविधता सूचना सुविधा और आई-नेचुरलिस्ट मंच जैसे डेटाबेस का उपयोग करना सीख रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में संत गुरु घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद जिला धमतरी में जैव विविधता अनुसंधान पर विशेष जागरूकता एवं प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राणीशास्त्र (एम.एससी.) के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 'जैव विविधता अनुसंधान के विविध आयाम एवं भविष्य की संभावनाएं' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

सेवा सेतु से घर बैठे सोनम को मिला अपने बच्चे का जाति एवं आय प्रमाण पत्र

रायपुर। शासन की सेवाओं को नागरिकों तक सरल, पारदर्शी, त्वरित और डिजिटल माध्यम से पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया श्सेवा सेतुश् पोर्टल आम नागरिकों के लिए एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इस पहल के माध्यम से लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन कर समयबद्ध तरीके से सेवाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसी का लाभ विकासखंड कोण्डागांव के आड़का, छेपरा पारा निवासी श्रीमती सोनम कौशिक को भी मिला। उन्होंने अपने बच्चे के जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए स्थानीय कम्प्यूटर सेंटर के माध्यम से सेवा सेतु पोर्टल पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें निर्धारित समय-सीमा में दोनों प्रमाण पत्र आसानी से प्राप्त हो गए। सोनम कौशिक बताती हैं कि पहले ऐसे प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

निश्चय कार्यक्रम से आत्मनिर्भर बन रहीं महिला बंदी, जेल में तैयार हो रहा स्वादिष्ट अचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय जेल रायपुर में महिला बंदियों के सर्वांगीण सुधार और समाज की मुख्यधारा में उनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। जेल प्रशासन द्वारा संचालित निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे जेल के भीतर ही उनके रोजगार की राह आसान हुई है।

60 महिला बंदियों को मिला अचार और मसाला निर्माण का प्रशिक्षण

केन्द्रीय जेल रायपुर में विभिन्न अपराधों के तहत बंद 60 महिला बंदियों को बेसिक ऑफ पिकल (अचार) एवं मसाला निर्माण के व्यावसायिक उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला बंदियों को स्वयं की व्यावसायिक इकाई स्थापित करने के योग्य बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान इन बंदियों को खाद्य उत्पादों के निर्माण और उनकी उत्तम गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग एवं सुरक्षित भंडारण से संबंधित व्यावहारिक जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद महिला बंदियों ने जेल के महिला प्रकोष्ठ में ही नियमित रूप से अचार का निर्माण शुरू कर दिया है।

महिला बंदियों द्वारा जेल के भीतर पूरी स्वच्छता के साथ आम, नींबू, गाजर और लहसुन जैसी विभिन्न वैरायटियों के स्वादिष्ट और हाइजीनिक अचार तैयार किए जा रहे हैं। इन गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की बिक्री के लिए व्यवस्था की गई है। तैयार उत्पादों को केंद्रीय जेल परिसर स्थित आस्था मुंगोडी सेंटर (आस्था गृह उद्योग स्टॉल) और जेल कैंटीन के माध्यम से आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इस बिक्री से होने वाली आय का एक हिस्सा सीधे इन महिला बंदियों के खातों में जमा किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

जेल सकारात्मक परिवर्तन का केंद्र- जेल अधीक्षक

केंद्रीय जेल रायपुर के अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री ने कहा कि जेल केवल दंड देने का स्थान नहीं है, बल्कि यह जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी एक केंद्र है। जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन में जेलों में चलाए जा रहे निश्चय कार्यक्रम के माध्यम से महिला बंदियों को रोजगारपरक कौशल प्रदान किए जा रहे हैं। यह कौशल उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ रिहाई के बाद समाज में सम्मानपूर्वक जीने और आजीविका अर्जित करने में सहायक सिद्ध होगा। जेल प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि बंदियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस प्रकार के रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया सरोना, बालोद एवं चांपा रेलवे स्टेशनों का किया वर्चुअल लोकार्पण

सीएम साय बोले- डबल इंजन सरकार में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का हो रहा अभूतपूर्व विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति सोशल मीडिया हैंडल एक्स में पोस्ट कर आभार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग से छत्तीसगढ़ में आधारभूत अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इन रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है।

यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। सरोना रेलवे स्टेशन पर आयोजित लोकार्पण समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा रायपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दयानंद सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी में शुरू होगा यूटीडी, सिर्फ कल्याण कॉलेज में बना एंट्रेंस के लिए एग्जाम सेंटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के एजुकेशन हब यानी दुर्ग-भिलाई से गुड न्यूज है। यहां स्थित शासकीय विश्वविद्यालय में यूटीडी शुरू किया जा रहा है। इसके लिए शुक्रवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए एकमात्र सेंटर कल्याण कॉलेज को बनाया गया था।

दुर्ग के शासकीय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय (दुर्ग यूनिवर्सिटी) में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) शुरू किया जा रहा है। इसके लिए शुक्रवार को एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया गया। एंट्रेंस एग्जाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एकमात्र सेंटर सेक्टर-7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय को बनाया गया था। यहां तीन शिफ्ट में परीक्षाएं आयोजित हुई। यूटीडी में साइंस स्ट्रीम के अलग-अलग विषय में प्रवेश पाने बच्चों ने एंट्रेंस एग्जाम में भाग लिया। इसमें एमएससी मैथ्स, एमएससी बॉटनी, एमएससी फिजिक्स, एमएससी जूलॉजी और केमेस्ट्री में एमएससी करने के लिए ग्रेजुएट लेवल के स्टूडेंट्स शामिल हुए। पांच विषयों में एमएससी करने के लिए एक हजार चार सौ 55 (1,455) अभ्यर्थियों के लिए सीटिंग की व्यवस्था की गई थी। तीन शिफ्ट की परीक्षा में कुल 768 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि 683 उम्मीदवार अनुपस्थित रहे।

कल्याण कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय में यूटीडी शुरू होना अंचल के लिए भाग्य और खुशी की बात है। लेकिन पहली बार आरंभ हो रहे यूटीडी में एंट्रेंस एग्जाम के लिए कल्याण कॉलेज को सेंटर बनाया जाना हमारे लिए परम सौभाग्य की बात है। एंट्रेंस के लिए कॉलेज का संपूर्ण अमला सुबह से देर शाम तक मुस्तैदी से तैनात रहा। कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.लखन चौधरी, डॉ.सलीम अक़ील, डॉ.सुधीर शर्मा, डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह, जिससे परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में दुर्गम बैगा अंचल तक पहुची चिकित्सा सुविधा

छिरहिट्टी में विशेष स्वास्थ्य शिविर से 164 ग्रामीणों को मिला निःशुल्क उपचार, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने गांव पहुंचकर दी स्वास्थ्य सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की प्रतिबद्धता लगातार धरातल पर दिखाई दे रही है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातीय बैगा समुदाय तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड गौरेला के दुर्गम बैगा आदिवासी बाहुल्य ग्राम छिरहिट्टी (साल्हेघोरी) में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा निःशुल्क उपचार, परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। इससे दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को अपने गांव में ही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में कुल 164 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। मौसमी बीमारियों की रोकथाम, समय पर रोगों की पहचान तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली।

विशेष स्वास्थ्य शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ, महिला रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। इसके साथ ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, खंड चिकित्सा अधिकारी गौरेला तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी पूरे समय उपस्थित रहकर शिविर के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे।

राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश का कोई भी नागरिक, चाहे वह कितने ही दूरस्थ या दुर्गम क्षेत्र में क्यों न रहता हो, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। विशेष पिछड़ी जनजातियों तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों तक स्वयं पहुंचकर उपचार उपलब्ध कराना ही सुशासन की वास्तविक पहचान है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दूरस्थ एवं विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में नियमित रूप से ऐसे विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि बीमारियों की समय पर पहचान हो सके, उपचार उपलब्ध कराया जा सके तथा गंभीर मरीजों को आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा संस्थानों तक रेफर किया जा सके। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता, पोषण, मौसमी बीमारियों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। दुर्गम बैगा अंचलों तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की पहुंच यह दर्शाती है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, समावेशी और प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। बल्कि जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति विश्वास और जागरूकता को भी मजबूत कर रहे हैं।

जशपुर में धूमधाम से मनाया गया जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में शिक्षा सत्र 2026-27 के शुभारंभ के अवसर पर जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पारंपरिक स्वागत कर उन्हें नई पुस्तकों, स्कूल यूनिफॉर्म तथा शुभकामनाओं के साथ शिक्षा के नए सफर की शुरुआत कराई गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत जशपुर के अध्यक्ष सालिक साय थे। विशिष्ट अतिथियों में छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, नगर पालिका परिषद जशपुर के अध्यक्ष अरविंद कुमार भगत, जनपद पंचायत जशपुर के अध्यक्ष गंगाराम भगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सरस्वती शिशु मंदिर की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें नई पुस्तकें एवं स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत सेजस हिंदी माध्यम स्कूल तथा महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर की छात्राओं ने शिक्षा आधारित आकर्षक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि सालिक साय ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में शिक्षा को सफलता का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया।

शंभूनाथ चक्रवर्ती ने भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य का उदाहरण प्रस्तुत किया। श्री अरविंद कुमार भगत ने शिक्षा के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जबकि गंगाराम भगत ने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ माता-पिता एवं गुरुओं का सम्मान करने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार सिन्हा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रवेश उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत कक्षा नवमी की छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का उल्लेखनीय योगदान रहा।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026

वैज्ञानिक सोच और नवाचार से सतत विकास का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीकॉस्ट) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 के अंतर्गत जिला समन्वयकों एवं रिसोर्स शिक्षकों के लिए एक दिवसीय राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को रीजनल साइंस सेंटर, रायपुर में किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेशभर के शिक्षकों एवं जिला समन्वयकों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की नई थीम, परियोजना निर्माण प्रक्रिया, वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति तथा मूल्यांकन प्रणाली से अवगत कराना था, ताकि अधिकाधिक विद्यार्थी स्थानीय समस्याओं पर आधारित वैज्ञानिक परियोजनाएं तैयार कर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

कार्यशाला का आयोजन प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सोनमणी बोरा तथा महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं रीजनल साइंस सेंटर प्रशांत कविश्वर के मार्गदर्शन में किया गया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस देश का एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक कार्यक्रम है, जो 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों को विज्ञान एवं अनुसंधान से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैज्ञानिक पद्धति अपनाते हुए स्थानीय समस्याओं की पहचान करते हैं, आंकड़ों का संग्रह एवं विश्लेषण करते हैं तथा नवाचार आधारित समाधान प्रस्तुत करते हैं। ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर चयनित बाल वैज्ञानिक राष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिक 'ई' एवं राज्य समन्वयक डॉ. जे. के. राय, वैज्ञानिक 'डी' डॉ. ए. के. पाठक, वैज्ञानिक 'डी' डॉ. अमित दुबे, राज्य अकादमिक समन्वयक प्रो. (डॉ.) केशव कांत साहू तथा वनस्पति विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. वी. के. कानूनगो कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 की थीम साइंस एंड इनोवेशन फ ॅर सस्टेनेबिलिटी की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की सबसे बड़ी आवश्यकता विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान क्षमता और नवाचार आधारित सोच विकसित करना है। उन्होंने शिक्षकों एवं जिला समन्वयकों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं की वैज्ञानिक पहचान कर व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करें।

कार्यशाला में राज्य समन्वयक डॉ. जे. के. राय ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 की संपूर्ण रूपरेखा, पात्रता, परियोजना निर्माण की प्रक्रिया, अनुसंधान पद्धति, दस्तावेजीकरण, प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक परियोजनाएं केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर स्थानीय आवश्यकताओं एवं समाजोपयोगी विषयों पर आधारित होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी विकसित हो।

भिलाई की श्वेता पड्डा की बॉलीवुड में बड़ी छलांग 'श्रीरामभूमि' में अनुपम खेर संग करेंगी अभिनय

श्वेता पड्डा भिलाई शहर के उन कलाकारों में शामिल है जिसने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर में जन्म लेने वाली श्वेता पड्डा बॉलीवुड से लेकर ओटीटी और स्टोरी टेंलिग व राइटिंग में अपनी प्रतिभा दिखा चुकी हैं। श्वेता पड्डा अपने आगामी प्रोजेक्ट में बॉलीवुड के प्रख्यात कलाकार अनुपम खेर के साथ स्क्रीन साझा करने जा रही हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर श्वेता काफी उत्साहित है।

श्वेता पड्डा ने चर्चा के दौरान बताया कि श्रीरामभूमि एक मेगा प्रोजेक्ट है जिसकी शूटिंग अयोध्या के आसपास प्रस्तावित है। इस फिल्म के निर्देशक कामाख्या सिंह हैं और फिल्म में ग्रेट एक्टर अनुपम खेर के सा स्क्रीन साझा करने का मौका मिल रहा है। श्वेता ने बताया श्रीरामभूमि में ऋत्विक भौमिक और अमृता खानविलकर जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। श्वेता ने यह भी बताया कि इन दिनों वह फिल्मों के साथ ओटीटी प्लेटफार्म के लिए बन रहे सीरीज पर भी काम कर रही हैं।

एक्टिंग स्कूल शुरू करने का प्लान

श्वेता पड्डा ने आगामी प्लान को लेकर भी अपना विजन बताया है। श्वेता का मानना है कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभावान कलाकारों की कमी नहीं है। यहां की फिल्म इंडस्ट्री अच्छा काम कर रही है और कलाकार भी काफी मेहनत कर रहे हैं। श्वेता ने बताया वे जब भी भिलाई आती हैं तो उनसे कई उभरते कलाकार मिलते हैं। प्रदेश के अलग अलग जिलों से लोग आते हैं और एक्टिंग में रूची दिखाते हैं। श्वेता ने बताया ऐसे उभरते कलाकारों को आगे बढ़ाने वे भिलाई में एक एक्टिंग स्कूल शुरू करने की योजना पर काम कर रही हैं। जल्द इस पर काम भी शुरू किया जाएगा।

कर्म और मेहनत से मिलती है सफलता

श्वेता पड्डा का कहना है कि सफलता आसानी से नहीं मिलती इसके लिए कर्म और मेहनत का होना काफी जरूरी है। छत्तीसगढ़ के कलाकारों को बाहर जाकर अपनी प्रतिभा साबित करनी पड़ती है। यदि इमानदारी से आप अपना काम करों तो कभी भी असफल नहीं होंगे। आपकों मौके मिलेंगे और एक न एक दिन सफलता भी मिलेगी। छत्तीगसढ़ के कलाकारों के लिए श्वेता पड्डा ने कहा कि यहां के कलाकारों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो केवल सही मार्ग दर्शन की। श्वेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी से मिले संस्कार ही उनकी सबसे बड़ी ताकत हैं और आगे भी वे अपनी हर उपलब्धि से प्रदेश का नाम रोशन करने का प्रयास करती रहेंगी।

लेखन में भी सक्रीय है श्वेता

श्वेता पड्डा केवल अभिनय के साथ-साथ श्वेता लेखन के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। उनकी पहली पुस्तक 'स्टॉर्म टू स्टिलनेस' का विमोचन 11 जनवरी को विश्व पुस्तक मेले में हुआ था। पुस्तक जीवन के संघर्ष, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक अनुभवों पर आधारित है। इसमें उन्होंने अपने जीवन के साथ विभिन्न आयु और पृष्ठभूमि के लोगों के अनुभवों को भी शामिल किया है। यह किताब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि उनकी दूसरी पुस्तक भी इस वर्ष के अंत तक प्रकाशित होने की संभावना है। श्वेता का कहना है कि काशी की आध्यात्मिक यात्रा ने उनके लेखन को नई दिशा दी। जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव के बीच स्वयं को स्थिर रखना ही उनकी पुस्तक का मूल संदेश है।

श्वेता पड्डा का वर्कफ्रंट

अभिनय की बात करें तो श्वेता एक दशक से भी ज्यादा समय से अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। डॉक्यूमेंट्री से लेकर रियल ड्रामा और धारावाहिक व फिल्मों में काम कर चुकी हैं। श्वेता टीवी चैनल के धारावाहिक बिंदी' में प्रमुख भूमिका निभा चुकी हैं। इसके अलावा 'वसुधा' और निर्माता संदीप सिंह की वेब सीरीज फौजी 2 में भी उन्होंने अहम किरदार निभाया है। वे 'बज्म-ए-दास्तान' नामक म्यूजिकल स्टोरी टेलिंग शो की संस्थापक भी हैं, जिसे देशभर में सराहना मिल रही है। इसके साथ ही वे वर्तमान में आने वाले कई प्रोजेक्ट का हिस्सा भी होंगी।

13 साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं। सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

वीडियो की शुरुआत में वामिका, माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने धक-धक के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं।

वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं।

वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13 साल की उम्र वाली वामिका के लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात द माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं।

अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म जब वी मेट से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई। इसके बाद वह लव आज कल, मौसम और बिट्टू बॉस जैसी फिल्मों में नजर आईं और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाती चली गईं।

बॉलीवुड के अलावा वामिका ने पंजाबी और मलयालम सिनेमा में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 और मलयालम फिल्म गोधा में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। हाल ही में वह फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आई थीं।

तमन्ना भाटिया ने रागिनी 3 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, जानकर दिल खुश हो जाएगा

तमन्ना भाटिया अपने फैंस और दर्शकों को डराने की तैयारी शुरू कर चुकी हैं। जी हां, उनकी आगामी फिल्म रागिनी 3 लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचती आ रही है, जिस पर उन्होंने एक बड़ा अपडेट साझा करके लोगों को उत्साहित कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शशांका घोष द्वारा निर्देशित यह परियोजना बालाजी मोशन पिक्चर्स की हॉरर फ्रैंचाइजी की वापसी का प्रतीक है।

तमन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह क्लैपरबोर्ड पकड़े दिखी हैं।

उस पर रागिनी 3 लिखा है और शूटिंग के पहले दिन के शेड्यूल की जानकारी दी गई है। इससे साफहै कि अभिनेत्री ने 15 जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डेट नाइट हॉरर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है।

तमन्ना के अलावा, अन्य कलाकारों के नाम गुप्त रखे गए हैं।

लंदन में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल होगा। फिर आने वाले महीनों में अतिरिक्त शूटिंग की योजना बनाई गई है।

कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह अलौकिक हॉरर, सस्पेंस और व्यावसायिक कहानी कहने के उसी मिश्रण को बरकरार रखेगी, जिसने रागिनी फ्रैंचाइजी को एक सफल थिएटर ब्रांड के रूप में स्थापित किया था।

रागिनी 3 के अलावा, तमन्ना को सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन में देखा जाएगा। ये 25 सितंबर को रिलीज होगी।

बालों की तेल मालिश करना एक पारंपरिक और असरदार तरीका है, जिससे बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहते हैं। हालांकि, कुछ सामान्य गलतियों की वजह से आपको मनचाहे परिणाम नहीं मिल पाते। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको बालों की तेल मालिश करते समय करने से बचना चाहिए ताकि आपके बालों को सही पोषण मिल सके और वे स्वस्थ रहें।

ज्यादा तेल लगाना

बालों पर ज्यादा तेल लगाना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। बहुत ज्यादा तेल लगाने से बाल भारी हो जाते हैं और धोने में भी मुश्किल होती है।

सही मात्रा में तेल लगाने के लिए हाथों पर थोड़ा सा तेल लें और हल्के हाथों से पूरे सिर पर फैलाएं। इससे बालों को जरूरी पोषण मिलेगा बिना उन्हें भारी किए।

गलत समय पर तेल लगाना

कुछ लोग रातभर बालों पर तेल लगाकर सो जाते हैं, जो कि सही नहीं है। रातभर तेल लगाने से सिरदर्द हो सकता है और तकिए पर तेल लग सकता है, जिससे साफ-सफाई में परेशानी होती है।

बेहतर होगा कि आप सुबह या दोपहर के समय बालों पर तेल लगाएं ताकि उसे धोने का समय मिल सके और आपके बाल साफ-सुथरे रहें।

गीले बालों पर तेल लगाना

गीले बालों पर तुरंत तेल लगाना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। गीले बालों की जड़ों में पानी होता है, जो कि तेल के पोषक तत्वों को सही तरीके से सोखने नहीं देता।

इससे बाल कमजोर हो सकते हैं और टूटने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए हमेशा सूखे बालों पर ही तेल लगाएं ताकि वे सही तरीके से पोषण प्राप्त कर सकें और मजबूत बने रहें।

बहुत जल्दी धोना

कुछ लोग बालों पर तेल लगाने के तुरंत बाद उन्हें धो लेते हैं, जिससे बालों को पूरा लाभ नहीं मिल पाता। तेल को बालों में ठीक से सोखने का समय देना जरूरी होता है ताकि वह पूरी तरह से अपना असर दिखा सके।

इसलिए तेल लगाने के बाद कम से कम 30 मिनट से 1 घंटे तक इंतजार करें, फिर अपने सिर को माइल्ड शैंपू से धोएं और ठंडे पानी से साफ करें।

गलत प्रकार के तेल का चयन

बालों की प्रकार और जरूरतों के अनुसार सही प्रकार का तेल चुनना बहुत अहम होता है। जैसे कि सूखे बालों के लिए नारियल या बादाम का तेल अच्छा होता है, जबकि तैलीय बालों वाले जैतून या आर्गन ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस तरह इन छोटी-छोटी गलतियों से बचकर आप अपने बालों की तेल मालिश का पूरा लाभ उठा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा और त्वरित भुगतान पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल की बड़ी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव एवं आयुक्त अवनीश कुमार शरण की अध्यक्षता में निर्माण ठेकेदारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 50 से अधिक निर्माण ठेकेदारों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों

से मंडल द्वारा सभी निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा कर गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में मंडल के कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए आवास निर्माण के साथ-साथ नगर विकास, रि-डेवलपमेंट, सड़क, पुल-पुलिया सहित अधोसंरचना विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी मंडल को सौंपी है। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों की भागीदारी इन योजनाओं की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। मंडल इन-हाउस, पीपीपी मॉडल तथा बीओटी के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं का प्रभावी संचालन कर रहा है और ठेकेदार मंडल की विकास यात्रा के अभिन्न सहयोगी हैं।

अध्यक्ष सिंह देव ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हितग्राहियों के लिए बनाए जाने वाले प्रत्येक घर का निर्माण उसी गुणवत्ता और संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए, जैसी गुणवत्ता कोई व्यक्ति अपने स्वयं के घर के निर्माण में सुनिश्चित करता है। बैठक में आयुक्त अवनीश कुमार शरण ने कहा कि समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य तीन महत्वपूर्ण विषयोंकृनिर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना तथा ठेकेदारों के देयकों का समयबद्ध भुगतानकृपर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने कहा कि सभी अभियंताओं एवं ठेकेदारों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि आबंटित कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तथा तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। कार्यस्थलों पर आने वाली वास्तविक समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर मुख्यालय से भी तत्काल मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। आयुक्त शरण ने बताया कि बैठक के दौरान ठेकेदारों द्वारा भूमि चयन, ले-आउट प्लान, प्राक्कलन तैयार करने एवं निविदा प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

इन सुझावों के परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए सभी अपर आयुक्तों, उपायुक्तों एवं कार्यपालन अभियंताओं को निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने लेखा एवं तकनीकी शाखा के अधिकारियों को ठेकेदारों के सभी प्रकार के देयकों के त्वरित भुगतान हेतु चेकलिस्ट आधारित प्रणाली अपनाने तथा भुगतान प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के निर्देश भी दिए।

खास-खबर

बलौदाबाजार में समूह की 40 महिलाओं को मिला धान और पैरा आर्ट का प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ (धान का कटोरा) में धान की कटाई के बाद बचने वाले श्पैराश् (पराली/पुआल) से बनाई जाने वाली खूबसूरत हस्तकला को पैरा आर्ट कहते हैं। इसके जरिए वेस्ट पैरा का उपयोग कर महापुरुषों और देवी-देवताओं के 3ष्ठ पोर्ट्रेट और चित्र बनाए जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह ग्रामीण आय का भी एक बड़ा साधन बन रहा है। पैरा आर्ट बेहद दिलचस्प कला है, जिसमें धैर्य, कल्पनाशक्ति और बारीकी की समझ जरूरी है. धीरे-धीरे इस कला का क्रेज लोगों के बीच बढ़ता जा रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आजीविका के नए साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड बलौदाबाजार के अंतर्गत ग्राम लाहौद में स्व-सहायता समूह की 40 महिलाओं को धान एवं पैरा (पुआल) आर्ट का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

नक्सल प्रभावित रहे सुकमा से खेल प्रतिभा की नई उड़ान

रायपुर। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाने वाला सुकमा आज खेल, शिक्षा और युवा प्रतिभाओं के दम पर अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। जिले की होनहार खिलाड़ी शैली गुप्ता इस परिवर्तन की मिसाल बनी है, जिन्होंने नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 24 जून से 26 जून तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय मत्स्योगी-डो चैंपियनशिप में 49 किलोग्राम सीनियर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत, छत्तीसगढ़ और सुकमा का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए शैली ने फाइनल मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर तथा सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शैली गुप्ता की उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, प्रशासनिक सहयोग और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

हरित ऊर्जा की ओर बढ़ता धमतरी

ठेनही बना जिले का पहला सामूहिक सोलर प्लांट वाला गांव

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले के सुदूर अंचल नगरी विकासखंड में बसा ग्राम ठेनही जल्द ही विकास की नई रोशनी से जगमगा होगा । प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना' के तहत ठेनही जिले का पहला गांव बन गया है, जहां सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित किया जा गया है। यह पहल न केवल ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराएगी, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

यह प्लांट वेंडरों द्वारा सब्सिडी राशि से योजना में गांव के कुल 71 परिवारों का 2-2 किलोवॉट के लिए पंजीयन किया गया है। कुल 142 किलोवॉट का सामूहिक सोलर प्लांट लगाया गया है । प्लांट के लिए गांव से करीब 50-75 मीटर दूरी पर जमीन उपलब्ध करायी गयी है । उप सरपंच रूपेश्वर नाग ने बताया कि किसी ग्रामीण से कोई राशि नहीं ली गयी है। घरों में कनेक्शन का काम शुरू होने वाला है। प्लांट लग गया है । अब ग्रामीणों को बिजली बिल से छुटकारा भी मिल जाएगा। कार्यपालन अभियंता विधुत श्री अनिल सोनी ने बताया कि आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होते ही प्लांट से विद्युत उत्पादन

प्रारंभ हो जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों को बिजली बिल के बोझ से काफी राहत मिलेगी तथा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार उन्हें योजना का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि जिले में ऐसे 55 गांवों का चयन किया गया है । जहां पक्के या छत वाले मकान नहीं है, बल्कि खपरैल वाले है । वहाँ वेंडरों द्वारा सब्सिडी की राशि से जरूरत के मुताबिक सामूहिक सोलर प्लांट लगा रहे है । इसके लिए गांव के लोगों को कोई राशि नहीं देना पड़ता है । ग्राम ठेनही के निवासी श्री छत्र सिंह यादव बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, लेकिन अब गांव में सोलर प्लांट लगने से बड़ी राहत मिलेगी। उनका कहना है कि यह योजना ग्रामीणों के लिए आर्थिक बचत के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभकारी है। गांव के अन्य लोगों ने भी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इंदर सिंह नेताम (ग्रामीण, ग्राम ठेनही) की प्रतिक्रिया हमारे गांव में सामूहिक सोलर प्लांट लगना हमारे लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है। पहले बिजली बिल की चिंता रहती थी, लेकिन अब इस योजना से काफी राहत मिलेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि गांव के लोगों को इसके लिए कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ा। इससे गांव में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और आने वाली पीढ़ियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे गांव में इस तरह की आधुनिक सोलर परियोजना स्थापित होगी। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से गांव के परिवारों को नियमित और किफायती बिजली मिलेगी। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। हमें गर्व है कि हमारा गांव जिले में इस योजना का पहला मॉडल गांव बन रहा है।

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक समय नक्सल प्रभावित होने के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर रहे गांव में अब आधुनिक हरित ऊर्जा का मॉडल विकसित हो रहा है।

यह परिवर्तन शासन की विकासोन्मुखी सोच और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ठेन्ही में सामूहिक सोलर प्लांट की सफलता के बाद नगरी विकासखंड के फरसिया, रतावा, दुगली सहित लगभग 25 अन्य गांवों में भी इसी प्रकार की परियोजनाएं स्थापित किए जाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना' का उद्देश्य देशभर में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, घरेलू बिजली खर्च कम करना तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

जशपुर की सभी 44 सहकारी समितियां बनेंगी कॉमन सर्विस सेंटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं गांव स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जशपुर जिले की सभी 44 सहकारी समितियों को चरणबद्ध तरीके से कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी, बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं के लिए शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

जिला पंचायत जशपुर के सभागार में कॉमन सर्विस सेंटर संचालन एवं डिजिटल सेवाओं के विस्तार को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रायपुर से आए राज्य परियोजना प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार दास ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों, कम्प्यूटर ऑपरेटरों एवं कर्मचारियों को सीएससी संचालन, डिजिटल सेवाओं के विस्तार तथा लैम्प्स के माध्यम से सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि सीएससी के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को आधार आधारित सेवाएं, बिजली एवं पानी के बिलों का भुगतान, मोबाइल और डीटीएच रिचार्ज, बैंकिंग एवं बीमा सेवाएं, डिजिटल भुगतान, किसान हितग्राही सेवाएं तथा विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाओं सहित 20 से अधिक डिजिटल सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि पैक्स पुनर्गठन-2025 के बाद जशपुर जिले में 20 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। राज्य शासन की प्राथमिकता इन समितियों को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करना है, जिससे समितियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित होंगे और ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सहजता से उपलब्ध हो सकेंगी।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण में छत्तीसगढ़ बना देश के लिए मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ कृषि विभाग गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करने की दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभर रहा है।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने तथा नकली एवं अमानक उर्वरकों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान चलाया जा है। उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत चालू खरीफ सीजन के दौरान विभाग द्वारा की गई प्रवर्तन कार्रवाई छत्तीसगढ़ देश के लिए मिसाल बना है। वर्ष 2025 की तुलना में कुल कार्रवाई में 10.25 गुना वृद्धि दर्ज करते हुए विभाग ने 44 से बढ़ाकर 451 मामलों में कार्रवाई की है। बता दें कि कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में कृषि विभाग द्वारा किसानों के हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उर्वरकों की गुणवत्ता, भंडारण, विक्रय एवं वितरण पर राज्यभर में सघन निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप अमानक उर्वरकों के विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगा है तथा कृषि आदानों की पारदर्शी आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित हुई हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 में प्रवर्तन कार्रवाई के प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष कि तुलना में इस खरीफ सीजन में न्यायालय में प्रस्तुत प्रकरणों की संख्या 4 से बढ़कर 56 हो गई, जबकि जब्ती की कार्रवाई 2 से बढ़कर 98 तक पहुंच गई। इसी प्रकार लाइसेंस निलंबन के मामलों में 3 से बढ़कर 97, लाइसेंस निरस्तीकरण 2 से बढ़कर 10 तथा विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई 33 से बढ़कर 183 हो गई।

सुपोषण की ओर एक कदमः मुनगा पौधरोपण जन आंदोलन का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कोण्डागांव जिले में कुपोषण उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण तथा जनसामान्य में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'सुपोषण की ओर एक कदम : मुनगा पौधरोपण जन आंदोलन' का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में मुनगा (सहजन) एवं विभिन्न फलदार पौधों का रोपण कर सुपोषण वाटिकाएं विकसित की जाएंगी।

अभियान का उद्देश्य प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र को पोषण वाटिका के रूप में विकसित करना है, जिससे स्थानीय स्तर पर पौष्टिक फल एवं हरी सब्जियां उपलब्ध हों और बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के पोषण स्तर में सुधार हो सके। इसके साथ ही पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, आंगनबाड़ी

कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्वयं सहायता समूहों, स्कूल प्रबंधन समितियों तथा स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण एवं सुपोषण के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि मुनगा पोषण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पौधा है। इसकी पत्तियों, फलियों, फूलों एवं बीजों में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, विटामिन-ए, विटामिन-सी सहित अनेक आवश्यक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके नियमित सेवन से बच्चों के शारीरिक विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है।

अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में लगाए गए फलदार पौधों के फलों का उपयोग पोषण गतिविधियों, पोषण माह, स्वास्थ्य दिवस एवं सामुदायिक कार्यक्रमों में किया जाएगा। साथ ही बच्चों एवं माताओं को पौष्टिक आहार, स्वच्छता, जल संरक्षण, जैविक खेती तथा संतुलित आहार के प्रति नियमित रूप से जागरूक किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए विद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, युवा मंडलों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों से जुड़ने की अपील की है। नागरिकों से अपने घर, विद्यालय, कार्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर कम से कम एक मुनगा एवं एक फलदार पौधा लगाने तथा उसकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया गया है।

सरगुजा पर्यटन को नई उड़ान देने की पहल

फेम ट्रिप के अंतर्गत टूर ऑपरेटर्स ने अम्बिकापुर के आतिथ्य और होटल सुविधाओं का लिया अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा सरगुजा संभाग के पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में आयोजित फेम ट्रिप से एक दिन पूर्व अम्बिकापुर में विशेष होटल भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमंत्रित टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स को सरगुजा में उपलब्ध उत्कृष्ट आवासीय सुविधाओं, आतिथ्य परंपरा तथा पर्यटन के अनुकूल अधोसंरचना से परिचित कराना था, ताकि वे भविष्य में अधिक से अधिक पर्यटकों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित कर सकें।

कार्यक्रम के अंतर्गत देश के विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स का होटल पर्पल आर्किड, अम्बिकापुर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ तिलक लगाकर एवं स्वागत पेय के माध्यम से आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात अतिथियों को होटल की आधुनिक आवासीय व्यवस्था, स्वादिष्ट भोजन की सुविधाएं, बैंक्वेट हॉल तथा अन्य अतिथि सेवाओं का विस्तृत निरीक्षण कराया गया। होटल प्रबंधन ने अपने आतिथ्य और सेवाओं के माध्यम से सरगुजा की मेहमाननवाजी की समृद्ध परंपरा से सभी को परिचित कराया। दोपहर के भोजन के उपरांत सभी अतिथियों को अम्बिकापुर के प्रतिष्ठित होटल माखन विहार ले जाया गया, जहां होटल प्रबंधन ने उन्हें उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं, आवासीय व्यवस्थाओं तथा अन्य सेवाओं का अवलोकन कराया। भ्रमण के दौरान अतिथियों ने होटल की गुणवत्ता, स्वच्छता और पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की।

होटल भ्रमण के बाद होटल संचालक द्वारा निशुल्क उच्च स्तरीय हाई-टी का आयोजन किया गया। इस दौरान सरगुजा संभाग के प्रमुख पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों, जनजातीय संस्कृति तथा पर्यटन विकास की संभावनाओं पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई। टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स ने क्षेत्र में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाओं पर अपने सुझाव भी साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स ने अम्बिकापुर के होटलों में उपलब्ध उत्कृष्ट सुविधाओं और आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि सरगुजा संभाग प्रकृति, संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम है तथा यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के परिचयात्मक भ्रमण से सरगुजा राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से उभरेगा तथा वे भविष्य में अधिक से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों को इस क्षेत्र की यात्रा के लिए प्रेरित करेंगे।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की यह पहल सरगुजा संभाग को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे कार्यक्रम पर्यटन उद्योग, स्थानीय होटल व्यवसाय, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मातृ वंदना योजना से सशक्त हो रहा मातृत्व

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) छत्तीसगढ़ में माताओं और नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित मातृत्व का मजबूत आधार बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश की लाखों पात्र महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान आर्थिक सहायता का लाभ मिल रहा है। योजना के सकारात्मक परिणाम प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। श्रीमती सरस्वती ने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

खमतराई रेलवे क्रॉसिंग पर साउथ-बिहार एक्सप्रेस की टक्कर से युवक गंभीर

रायपुर। राजधानी रायपुर में खमतराई रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार को सुबह-सुबह युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। साउथ-बिहार एक्सप्रेस की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, आरा से दुर्ग चलने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस आज सुबह जब श्रीनगर रेलवे क्रॉसिंग से गुजर रही थी, इस बीच युवक ने ट्रेन के आगे कथित तौर पर छलांग लगा दी। हादसे में युवक को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई है। घटना के बाद लोटो पायलट ने ट्रेन को रोक दिया है, जिससे करीब 15 मिनट से ज्यादा वक्त तक परिचालन प्रभावित हुआ है खमतराई पुलिस और रेलवे अधिकारियों को घटना की सूचना दी गई है। फिलहाल स्थानीय लोग घायल युवक को रेलवे ट्रैक से दूर लाकर अस्पताल भेजने की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल युवक की पहचान और ट्रेन के सामने कूदने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

रायपुर में धारदार चाकू लेकर लोगों को धमका रहा युवक गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद किया गया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। थाना आजाद चौक पुलिस को सूचना मिली कि आमापारा स्थित कारी तालाब के पास एक युवक हाथ में चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है। पूछताछ में उसकी पहचान अंकित पाण्डेय (18 वर्ष), निवासी चंगोराभाठा, थाना डी.डी. नगर, रायपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त किया और उसके खिलाफ थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 150/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 में मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

पुलिस ने पकड़ा 6.35 लाख का गांजा, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 किलो 700 ग्राम गांजा के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 6 लाख 35 रुपए बताई जा रही है। दोनों आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें नगरनार थाना क्षेत्र के धनपुंजी फॉरेस्ट नाका के पास से पकड़ा। पुलिस को सूचना मिली थी कि, दो युवक काले रंग के पिट्ठू बैग में गांजा लेकर धनपुंजी फॉरेस्ट नाका के पास वाहन का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही नगरनार पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। बताए गए हुलिए के आधार पर दोनों संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ा। पुलिस ने दोनों युवकों के बैग की तलाशी ली तो उसमें कुल 6 पैकेट में रखा 12 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगे 10.55 लाख, शातिर आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वास्थ्य विभाग में शासकीय नौकरी लगाने का झांसा देकर 10 लाख से ज्यादा की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को स्मृति नगर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रकरण दर्ज होते ही पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को चिन्हित कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक नग मोबाइल एवं बैंक पासबुक जप्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

पुलिस के अनुसार 15 जुलाई को प्रार्थिया स्वेच्छा रानी, निवासी सिकोला भाठा, दुर्ग द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वर्ष 2022 में कोविड-19 अवधि के दौरान शंकराचार्य अस्पताल जुनवानी में कार्यरत रहने के समय बिज्जू चंद्रा ने स्वयं को प्रभावशाली बताते हुए शासकीय चंदूलाल चंद्राकर अस्पताल एवं जिला अस्पताल दुर्ग में नर्सिंग स्टाफ के पद पर शासकीय नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इस बहाने उसने प्रार्थिया से कुल 10 55,698 ले लिए। इसके बाद न तो नौकरी लगी और न ही रुपए वापस मिले। रिपोर्ट पर चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1000/2026 अंतर्गत धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपी की तलाश कर उसे अभिरक्षा में लिया गया। आरोपी द्वारा स्वास्थ्य विभाग में शासकीय नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर प्रार्थिया का विश्वास अर्जित किया गया तथा विभिन्न किश्तों में कुल 10,55,698 प्राप्त कर धोखाधड़ी की गई। आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार करने पर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल एवं बैंक पासबुक जब्त की गई। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

उक्त कार्रवाई में चौकी स्मृतिनगर पुलिस टीम की त्वरित एवं प्रभावी भूमिका सराहनीय रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि शासकीय नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति को धनराशि देने से पूर्व उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें।

किसी भी प्रकार की ठगी अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना या पुलिस हेल्पलाइन पर दें। अपराधियों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

धारदार हथियार के साथ 2 युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लेकर घूम रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर लोगों में दहशत फैलाने और राहगीरों को डराने-धमकाने का आरोप है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक बड़ा धारदार हथियार, जिसे स्थानीय भाषा में 'कत्ता' या 'बंडा' कहा जाता है, बरामद किया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आसिफ कुरैशी और विशाल कंवर कोतवाली थाना क्षेत्र में खुलेआम धारदार हथियार लेकर घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से धारदार 'कत्ता' बरामद हुआ। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। वैधानिक कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने हथियार कहां से हासिल किया और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था।

कानून हाथ में लेने वालों पर होगी कार्रवाई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया कि सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर दोनों

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और आम लोगों को डराने-धमकाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एएसपी पटले ने जोर देकर कहा कि कोरबा पुलिस का उद्देश्य शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी कानून हाथ में लेने या आम नागरिकों को भयभीत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भिलाई में 8 साल से फरार हत्या के प्रयास का आरोपी पकड़ाया, शराब के पैसे को लेकर हुआ था विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हत्या के प्रयास के प्रकरण में 8 साल से फरार आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद लगातार फरार था, जिसकी तलाश के दौरान मुखबिर सूचना एवं तकनीकी आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। प्रकरण में आरोपी द्वारा सह-आरोपी के साथ मिलकर शराब पीने के लिए पैसे की मांग कर प्रार्थी पर प्राणघातक हमला किया गया था। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार 26 अक्टूबर 2019 को प्रार्थी विनय यादव उर्फ नेपाली अपने साथी के साथ शीतला तालाब के पास बैठा था। इसी दौरान दो युवकों के द्वारा शराब पीने के लिए रुपये की मांग

की गई। रुपये देने से मना करने पर गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देते हुए एक ने प्रार्थी को पकड़ लिया तथा दूसरे आरोपी ने धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर पीठ, कमर एवं दाहिने सीने में गंभीर चोट पहुंचाई। रिपोर्ट पर थाना सुपेला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

चिकित्सकीय परीक्षण में गंभीर चोट पाए जाने पर हत्या के प्रयास की धारा जोड़ी गई। विवेचना के दौरान एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था, जबकि सह-आरोपी पोने सिंह घटना के बाद से लगातार फरार था। फरार आरोपी पोने सिंह शुक्रवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पारस ठाकुर, उप निरीक्षक धनेश्वर साहू, सहायक उप निरीक्षक गंगाराम रावत, प्रधान आरक्षक शुभोध पाण्डेय, आरक्षक सूर्यप्रताप सिंह, दुर्गेश सिंह राजपूत एवं अजित यादव की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी आपराधिक घटना अथवा फरार अपराधियों संबंधी सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून से बचने का प्रयास करने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही निरंतर की जाएगी।

प्लाटून कमांडर पर दुष्कर्म का मामला दर्ज शादी का झांसा देने का आरोपी आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के दर्री थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्लाटून कमांडर प्रमोद महंत के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी ने उससे दोस्ती की और शादी का भरोसा दिलाया। इसी विश्वास के आधार पर उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने लंबे समय तक शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक और मानसिक शोषण किया।

पीड़िता के अनुसार, जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने दर्री थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पीड़िता के बयान, दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है।

दुर्ग में सप्लीमेंट्री परीक्षा देकर लौटे छात्र ने की आत्महत्या, स्टोर रूम में फंदे से लटका मिला शव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। मोहन नगर थाना क्षेत्र के जवाहर नगर में रहने वाले 20 वर्षीय यश कुमार डडसेना ने 12वीं बोर्ड की सप्लीमेंट्री परीक्षा देकर घर लौटने के कुछ ही देर बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को यश ने 12वीं बोर्ड की केमिस्ट्री विषय की सप्लीमेंट्री परीक्षा दी थी। परीक्षा देकर घर लौटने के समय घर में उसकी दादी थीं, जबकि पिता छोटे बेटे को प्रतियोगी परीक्षा दिलाने के लिए बाहर गए थे और मां, जो सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं, ड्यूटी पर थीं।

पिता ने यश के मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद घर के लैंडलाइन पर बात करने पर दादी ने बताया कि यश टॉयलेट जा रहा हूं कहकर गया था। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर दादी ने तलाश की। टॉयलेट में नहीं मिलने पर जब उन्होंने स्टोर रूम का दरवाजा खोला तो यश फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मोहन नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस परिजनों और करीबी लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही जरूरत पड़ने पर मृतक के मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच की जाएगी।

नशे में स्कूल बस चालक ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के मानिकपुर क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम शराब के नशे में स्कूल बस चला रहे चालक ने एक बुजुर्ग राहगीर को टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बस जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सेंट जेवियर स्कूल की बस सीजी 12 बीएम 6338 का चालक गोरे लाल बच्चों को घर छोड़ने के बाद स्कूल लौट रहा था। इसी दौरान मानिकपुर में उसने एक बुजुर्ग को टक्कर मार दी।

लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक शराब के नशे में था और बस लापरवाही से चला रहा था। टक्कर से बुजुर्ग के सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे चालक को

स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। पूछताछ में उसने शराब पीने की बात स्वीकार की। सूचना पर मानिकपुर चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई है।

स्कूल प्रबंधन पर भी उठे सवाल

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने स्कूल प्रबंधन पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि स्कूल बस जैसे संवेदनशील वाहन में शराब पीकर चालक का वाहन चलाना बच्चों और आम लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। लोगों ने चालकों की नियमित मेडिकल जांच कराने की मांग की है।

लापता महिला का अर्धनग्न शव मिला: हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में 55 वर्षीय लापता महिला का अर्धनग्न शव पुलगांव नाला किनारे झाड़ियों में मिला है। महिला के सिर पर पत्थर से वार के गहरे निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। शरीर के निचले हिस्से में कपड़े न होने के कारण दुष्कर्म की भी आशंका है। महिला की गुमशुदगी एक दिन पहले दर्ज कराई गई थी और शव कुछ ही घंटों बाद मिला। शव पुलगांव नाला के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल से शिवनाथ नदी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के किनारे स्थित जंगलनुमा झाड़ियों में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर शाम करीब 6 बजे पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मृतका की पहचान ओम नगर, उरला निवासी भगवंतीन बाई साहू (55) के रूप में की है। उनके पति हिरऊ राम साहू का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपनी बेटी रोशनी देशमुख और दामाद कृष्ण देशमुख के साथ रहती थीं और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करती थीं।

परिजनों के अनुसार, भगवंतीन बाई 16 जुलाई की शाम करीब चार बजे घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। काफी तलाश के बाद 17 जुलाई को सिटी कोतवाली थाना में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। गुमशुदगी दर्ज होने के कुछ ही समय बाद पुलगांव क्षेत्र से उनका शव मिलने की सूचना ने परिवार को सदमे में डाल दिया।

सिर पत्थर से कुचला, हत्या की आशंका मजबूत

भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि महिला के सिर पर पत्थर से गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि सिर पर वार ही मौत का कारण बना। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि होगी।

अर्धनग्न हालत में मिला शव, दुष्कर्म एंगल पर जांच

घटनास्थल पर महिला के शरीर के निचले हिस्से में कपड़े नहीं मिले। इसी वजह से पुलिस दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका को भी गंभीरता से जांच रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इसकी पुष्टि केवल मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल हत्या और संभावित यौन अपराध दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

आखिरी बार तहसील कार्यालय के पास देखी गई थी

पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 16 जुलाई की शाम करीब तीन से चार बजे के बीच महिला को दुर्ग तहसील कार्यालय के आसपास आखिरी बार देखा गया था। इसके बाद वह पुलगांव क्षेत्र तक कैसे पहुंचीं, उनके साथ कौन था और वारदात किस समय हुई, इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आसपास के लोगों और संभावित प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलगांव थाना पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच, फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और डॉग स्क्वाड को भी जांच में लगाया गया है। घटनास्थल से मिले हर भौतिक साक्ष्य को सुरक्षित कर वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मृतका के संपर्क में रहने वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

फिलहाल पुलिस इसे संदिग्ध हत्या मानकर विवेचना कर रही है। पोस्टमार्टम और मेडिकल रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा कि महिला के साथ दुष्कर्म हुआ था या नहीं तथा हत्या किस परिस्थिति में की गई। पुलिस का कहना है कि सभी तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

-:: कार्यालय कलेक्टर, बेमेतरा (छ.ग.) ::-
|| आदिवासी विकास शाखा ||
फैक्स नं. 07824-222105, ई-मेल - actwd.bemetara@gmail.com

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक/450/आ.जा.क./निर्माण/68/2026 बेमेतरा, दिनांक 16/07/2026

निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 03.08.2026 सायं 5.30 बजे तक है:-

क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि लाख में
1	2	3	4
1	195412	प्री. मै. अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास में अहाता निर्माण कार्य संबलपुर	15.00

टीप:- ठेकेदार की श्रेणी "A", "B", "C", "D" होना अनिवार्य है।
उक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जी-262702191/3

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास जिला बेमेतरा

आय से अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड बीज प्रबंधक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के सेवानिवृत्त बीज प्रबंधक राजेन्द्र सिंह क्षत्रीय (63) को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में आरोपी के पास 5.28 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति और खर्च का खुलासा हुआ है। ईओडब्ल्यू-एसीबी के अनुसार, राजेन्द्र सिंह क्षत्रीय सरगुजा जिले के अजिरमा स्थित प्रक्रिया केंद्र में उत्पादन सहायक रहे और बाद में बीज प्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके खिलाफ वर्ष 2020 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की गई थी।

करघे से कमाई तक: बुनकर महिलाओं ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई इबारत

शासकीय सहयोग से बढ़ा उत्पादन, आय और आत्मविश्वास, संबलपुरी साड़ियों की बुनाई से मिल रही नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामोदय बुनकर सहकारी समिति ग्रामीण भारत में बुनकरों—विशेषकर महिलाओं—को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। यह समिति कच्चे माल की खरीद, कौशल प्रशिक्षण और तैयार उत्पादों के विपणन की सुविधा प्रदान करके बुनकरों को बिचौलियों से मुक्ति दिलाती है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। छत्तीसगढ़ शासन के ग्रामोद्योग विभाग (हाथकरघा प्रभाग) की योजनाओं से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। धमतरी जिले के ग्राम नारी की ग्रामोदय बुनकर सहकारी समिति आज आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और पारंपरिक हस्तकला के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण बन गई है।

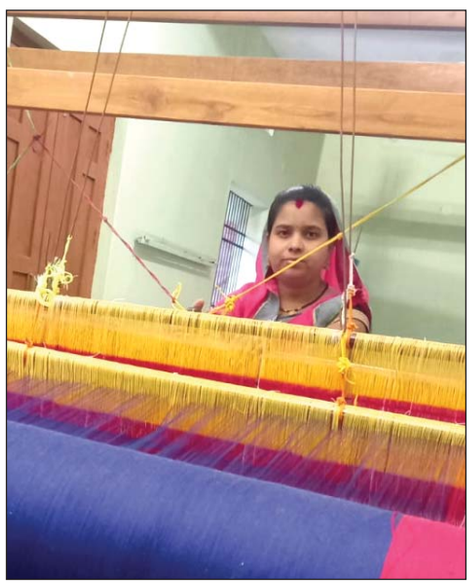

बुनकरों ने ओडिशा में अलग पहचान बना रही हैं: नारी की ग्रामोदय बुनकर सहकारी समिति सरकारी सहयोग और बुनकरों की मेहनत से यह समिति न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार का माध्यम बनी है, बल्कि पड़ोसी राज्य ओडिशा के बाजारों में भी अपनी अलग पहचान बना रही है।

संबलपुरी साड़ियों से मिली नई पहचान: ग्राम नारी में पहले बुनाई प्रमुख आजीविका नहीं थी। ओडिशा में संबलपुरी साड़ियों की बढ़ती मांग को देखते हुए समिति ने इस कला को अपनाया। अपनी विशिष्ट इकत डिज़ाइन, आकर्षक रंगों और उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण संबलपुरी साड़ियों की बाजार में अच्छी मांग है। गांव की महिलाओं ने इस चुनौतीपूर्ण कला को सीखकर पारंपरिक हुनर को आय का स्थायी स्रोत बना लिया।

समिति द्वारा बाजार की मांग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण वस्त्र तैयार कर रहे हैं: छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय वस्त्र उत्पादन कार्यक्रम के तहत समिति को नियमित धागा उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही समितियों के सुचारु संचालन के लिए सेवा प्रभार के रूप में आर्थिक सहायता, नवीन बुनाई प्रशिक्षण और आधुनिक करघों का वितरण भी किया गया है। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ी है और बाजार की मांग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण वस्त्र तैयार हो रहे हैं।

मासिक कारोबार 3-4 लाख, महिलाओं की आय दोगुनी: वर्तमान में ग्रामोदय बुनकर सहकारी समिति प्रतिमाह लगभग 300 से 400 संबलपुरी साड़ियों का उत्पादन कर रही है।

इनकी बिक्री मुख्यत: ओडिशा के विभिन्न बाजारों में होती है। समिति का मासिक कारोबार अब 3 से 4 लाख रुपये तक पहुंच गया है।

महिलाएं हो रहीं हैं को आत्मनिर्भर

इस पहल का सबसे बड़ा लाभ गांव की महिलाओं को मिला है। पहले महिलाएं शासकीय वस्त्र उत्पादन से प्रतिदिन 300 से 350 रुपये कमाती थीं, अब उनकी दैनिक आय 550 से 600 रुपये तक बढ़ गई है। कौशल उन्नयन के माध्यम से भविष्य में आय को 1,000 से 1,200 रुपये प्रतिदिन तक ले जाने का लक्ष्य है। इससे महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ सामूहिक निर्णय लेने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी मिला है। ग्राम नारी की यह सफलता बताती है कि शासन की योजनाएं, आधुनिक प्रशिक्षण और स्थानीय मेहनत मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती हैं। यदि समिति को ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग और नए बाजारों तक पहुंच का अवसर मिले, तो यह छत्तीसगढ़ के हाथकरघा उद्योग को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

सेवा-सेतु से आसान हुई सरकारी सेवाएं

अब 442 डिजिटल सुविधाएं एक ही केंद्र पर, घर बैठे बन रहे आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की डिजिटल सुशासन पहल के तहत संचालित सेवा-सेतु केंद्र आम नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं का सबसे भरोसेमंद और आसान माध्यम बनकर उभरे हैं। पहले लोक सेवा केंद्र के रूप में संचालित इन केंद्रों में जहां 73 शासकीय सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं अब इनका विस्तार कर 442 डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। इससे नागरिकों को आय, जाति, निवास, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र समेत विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर ऑनलाइन और समयबद्ध तरीके से मिल रही हैं।

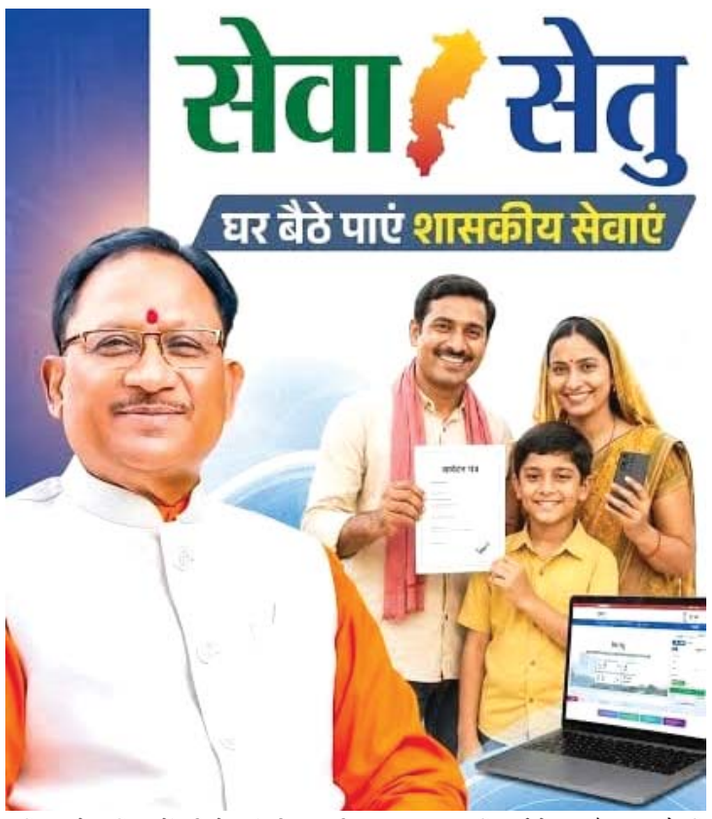

सबसे अधिक राहत उन लोगों को मिली है जिन्हें आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पहले कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब सेवा-सेतु केंद्र में आवश्यक दस्तावेज जमा करते ही आवेदन संबंधित विभाग तक ऑनलाइन पहुंच जाता है। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से पारदर्शिता बढ़ी है और नागरिकों का समय व धन दोनों बच रहे हैं।

राज्य सरकार के इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन, श्रम पंजीयन, बिजली, पानी, राजस्व, पंचायत, नगरीय प्रशासन, खाद्य, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अनेक विभागों की सेवाएं भी एक ही केंद्र पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो गई है।

रायगढ़ जिले में भी सेवा-सेतु केंद्रों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। हाल के दिनों में रायगढ़ तहसील के विभिन्न सेवा-सेतु केंद्रों के माध्यम से राजपाल सिदार, गिरधारी सिदार, मुकेश कुमार विशाल तथा टेकचंद उरांव सहित अनेक आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए। आवेदन का ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेजों का सत्यापन और प्रमाण पत्र का निर्गमन पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ।

जिले के विभिन्न सेवा-सेतु केंद्रों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए आवेदन कर रहे हैं और समय पर उनका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सेवा-सेतु केंद्रों की एक महत्वपूर्ण विशेषता डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था भी है। प्रत्येक आवेदन का ऑनलाइन पंजीयन होने से उसकी स्थिति की निगरानी संभव हो गई है। आवेदक अपने आवेदन की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहती है और सेवा उपलब्ध कराने में जवाबदेही भी सुनिश्चित होती है।

राज्य शासन का उद्देश्य शासकीय सेवाओं को नागरिकों तक सरल, सुलभ और पारदर्शी रूप में पहुंचाना है। 442 डिजिटल सेवाओं के एकीकृत मंच के रूप में विकसित सेवा-सेतु केंद्र ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को नई गति दे रहे हैं। इन केंद्रों के विस्तार से न केवल लोगों का समय और धन बच रहा है, बल्कि डिजिटल सुशासन को भी नई मजबूती मिल रही है। शासन की यह पहल नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनहितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

राज्य शासन ने जारी किए स्वतंत्रता दिवस आयोजन संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश

छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता दिवस 2026 की तैयारियां शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने स्वतंत्रता दिवस 2026 को पूरे प्रदेश में गरिमामय, भव्य और प्रेरणादायी ढंग से मनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस विशेष होने जा रहा है, क्योंकि इस मौके पर राष्ट्रगीत श्वंदे मातरम्श् के 150 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक उत्सव भी मनाया जाएगा। शासन द्वारा सभी जिलों के कलेक्टरों और विभागीय प्रमुखों को आयोजनों की समुचित निगरानी के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

राजधानी रायपुर के स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में मुख्य राज्य स्तरीय समारोह 15 अगस्त की प्रात: 9:00 बजे आयोजित किया जाएगा। इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री साय ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। ऐतिहासिक अवसर वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सभी शासकीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन अनिवार्य किया गया है। परेड में बीएसएफ सीआरपीएफ सीआईएसएफ आईटीबीपी, एसएसबी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (पुरुष व महिला), नगर सेना, एनसीसी तथा बैंड प्लाटून की टुकड़ियाँ भाग लेंगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जी प्रदेश की जनता के नाम संदेश देंगे।

जिला मुख्यालयों में शासन द्वारा नामित मंत्रीगण ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। यहाँ स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जनपद पंचायत मुख्यालयों में जनपद पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिकाओं व पंचायतों में उनके अध्यक्ष व सरपंच तथा बड़े गांवों में ग्राम प्रमुख ध्वजारोहण करेंगे। इन स्थलों पर राष्ट्रीय गान, भाषण तथा देश की एकता एवं अखण्डता का संदेश प्रसारित किया जाएगा।

जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि जिला स्तरीय समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और नक्सली हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिजनों को विशेष व सम्मानपूर्वक रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाए।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जारी होने वाले सरकारी विज्ञापन स्वतंत्रता संग्राम के नायकों और छत्तीसगढ़ के शहीदों को समर्पित होंगे। इन विज्ञापनों का प्रकाशन 15 अगस्त के दिन समाचार पत्रों में सुनिश्चित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस की रात्रि को प्रदेश के सभी शासकीय भवनों, कार्यालयों और राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों को आकर्षक रोशनी (लाइटिंग) से सजाया जाएगा, जिसका खर्च संबंधित विभाग स्वयं वहन करेंगे। आम नागरिकों और निजी संस्थाओं से भी अपने भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और रात्रि में रोशनी करने की अपील की जाएगी।

शासकीय एवं शिक्षण संस्थाओं में प्रात: 9:00 बजे से पहले ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, प्रभात फेरी, सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेलकूद और वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम संपन्न कराने होंगे। लाउडस्पीकर के प्रयोग हेतु जिला कलेक्टर से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। लाउडस्पीकर पर केवल मर्यादित और देशभक्ति से ओतप्रोत गीत ही बजाए जा सकेंगे।

राज्यपाल डेका से एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी ने की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर के क्षेत्रीय अधिकारी आलोक कुमार ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल को इस दौरान क्षेत्रीय अधिकारी आलोक कुमार ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के बुनियादी ढांचों के विकास, वर्तमान प्रगति और महत्वपूर्ण निर्माणाधीन परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

राज्यपाल को कुमार ने अवगत कराया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा राज्य में कनेक्टिविटी को मजबूत करने तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। भेंट के दौरान आलोक कुमार ने आगामी बुनियादी ढांचा योजनाओं पर राज्यपाल का बहुमूल्य मार्गदर्शन और सुझाव भी प्राप्त किए।

राज्यपाल रमेन डेका ने राज्य के विकास में राष्ट्रीय राजमार्गों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

इसी सत्र से शुरू होगी कुनकुरी शासकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कुनकुरी में इसी शैक्षणिक सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ होगी। इस संबंध में सरगुजा संभाग के आयुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मेडिकल कॉलेज की प्रथम स्वशासी समिति (प्रबंधकारी सभा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेडिकल कॉलेज के संचालन, अधोसंरचना विकास, मानव संसाधन, वित्तीय प्रबंधन तथा शैक्षणिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री रोहित व्यास, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. बी.आर. सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में आयुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा ने बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कुनकुरी को 50 एमबीबीएस सीटों के संचालन की अनुमति मिल चुकी है। आगामी काउंसलिंग प्रक्रिया के बाद 50 विद्यार्थियों का प्रवेश होगा और नियमित शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल जशपुर बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। बैठक में बताया गया कि स्थायी भवन के निर्माण तक मेडिकल कॉलेज का संचालन झरगांव स्थित पॉलीटेक्निक कॉलेज, छात्रावास परिसर, जिला अस्पताल, मातृ एवं शिशु अस्पताल तथा क्रिटिकल केयर यूनिट से किया जाएगा। वहीं स्थायी परिसर के लिए चराईडांड, मयाली और खंडसा ग्राम पंचायतों में भूमि चिन्हांकित एवं आबंटित की जा चुकी है। आयुक्त ने उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग करते हुए आवश्यक निर्माण एवं सुधार कार्य राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के मानकों के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर रोहित व्यास ने भी संबंधित विभागों को सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। डीन डॉ. एस.पी. कुजूर ने लेक्चर हॉल, प्रयोगशालाओं, लाइब्रेरी, डिसेक्शन हॉल और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं की प्रगति से अवगत कराया। आयुक्त दुग्गा ने मेडिकल कॉलेज के सफल संचालन के लिए आवश्यक प्रोफेसर, सहायक प्राध्यापक, रेजिडेंट डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, लिपिकीय कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों एवं सफाई कर्मचारियों की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षकीय पदों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाए तथा प्रारंभिक चरण में आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रवेश प्रक्रिया और शैक्षणिक गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित हो सकें। बैठक में स्वशासी समिति के प्रभावी संचालन, वित्तीय अनुशासन एवं स्वशासी निधि के पारदर्शी प्रबंधन पर भी चर्चा की गई।

एचपीवी टीकाकरण में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला बना प्रदेश में अव्वल

स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ की प्रभावी रणनीति और जनजागरूकता अभियान से 74 विद्यालयों में चला व्यापक टीकाकरण अभियान, हजारों बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य की रखी मजबूत नींव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संचालित जनकल्याणकारी स्वास्थ्य अभियानों का सकारात्मक परिणाम अब प्रदेशभर में दिखाई देने लगा है। स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण सप्ताह के अंतर्गत 17 जुलाई को आयोजित विशेष टीकाकरण दिवस पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले ने पूरे प्रदेश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। यह उपलब्धि राज्य सरकार की दूरदर्शी स्वास्थ्य नीति, प्रभावी कार्ययोजना तथा स्वास्थ्य विभाग की सुदृढ़ कार्यप्रणाली का सशक्त उदाहरण है।

राज्य सरकार बेटियों के स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। एचपीवी टीकाकरण जैसी पहल भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रत्येक पात्र बालिका तक यह सुरक्षा कवच पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है।

13 से 18 जुलाई तक आयोजित विशेष एचपीवी टीकाकरण सप्ताह के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की पात्र बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाकर सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित करने का अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में अभियान की शुरुआत विकासखंड गौरेला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवसा एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुकतीपानी से की गई।

राज्य स्तर से जिले को 3,893 बालिकाओं के टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। विशेष टीकाकरण दिवस पर जिले के 74 विद्यालयों में चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य अमले की उपस्थिति में व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान लगभग 809 बालिकाओं का ऑनलाइन तथा 1,100 बालिकाओं का ऑफ्लाइन पंजीकरण एवं टीकाकरण किया गया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले ने राज्य में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण कर नई उपलब्धि दर्ज की। अभियान की सफलता में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के बेहतर समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास गोपेश मनहर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, चिकित्सा अधिकारी, शिक्षकों तथा विद्यालय प्रबंधन का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा विद्यालय आधारित टीकाकरण अभियान के माध्यम से बालिकाओं और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम तथा टीकाकरण के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान केवल टीकाकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि किशोरियों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और भविष्य में गंभीर बीमारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रभावी प्रयास भी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को प्राथमिकता तथा निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का यह परिणाम है कि प्रदेश में स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभावी ढंग से सफल हो रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही की यह उपलब्धि न केवल जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है और यह दर्शाती है कि स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ जनस्वास्थ्य की सुरक्षा एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950